दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की असली पहचान उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और कर्मों से होती है; क्योंकि शब्द अक्सर बदल जाते हैं, लेकिन कर्म इतिहास बन जाते हैं।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-111 | झुंझनू (राजस्थान) | सोमवार, 16 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

श्रावस्ती और बुद्ध धम्म : सांस्कृतिक मूल्य और महत्व- एक धम्म यात्रावृत्तांत

दिनांक 15 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती शहर में बौद्ध धम्म के सांस्कृतिक मूल्यों अध्ययन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारा धम्मयात्रा दल दिल्ली से रवाना होकर अखिल भारतीय नाग संघ के तीन दिवसीय द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन में सामिल हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ रूपचंद गौतम, दैनिक भीम प्रज्ञा के संपादक हरेश पंवार सहित दर्जनों विद्वान लोग तथा आठ राज्यों के सैकड़ों वक्त पहुंचे। प्रथम दृष्टया यह रमणीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

1. श्रावस्ती का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व

श्रावस्ती प्राचीन भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण नगर रहा है, जो आज के उत्तर प्रदेश में स्थित है। बौद्ध परंपरा के अनुसार यह नगर उस समय के शक्तिशाली राज्य कोशल की राजधानी था और यहां के राजा प्रसेनजित बुद्ध के अनुयायी थे। इतिहास और बौद्ध ग्रंथों के अनुसार तथागत गौतम बुद्ध ने अपने जीवन के लगभग 24 वर्ष वर्षावास (वर्षा ऋतु में ठहराव) श्रावस्ती में बिताए थे। यही कारण है कि श्रावस्ती को बौद्ध धर्म का एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र माना जाता है। श्रावस्ती में स्थित जेतवन विहार बौद्ध धर्म का अत्यंत प्रसिद्ध स्थान है, जिसे बुद्ध के महान उपासक अनाथपिंडक ने बुद्ध और संघ के लिए बनवाया था। यहां बुद्ध ने अनेक महत्वपूर्ण उपदेश दिए, जो आगे चलकर बौद्ध दर्शन और संस्कृति की आधारशिला बने।

2. बुद्ध धम्म की सांस्कृतिक धरोहर

बौद्ध धर्म केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है। बुद्ध धम्म के मूल में करुणा, अहिंसा, समता, मैत्री और प्रज्ञा जैसे मानवीय मूल्य हैं। बुद्ध ने समाज को यह सिखाया कि मनुष्य का सम्मान उसकी जाति, जन्म या संपत्ति से नहीं बल्कि उसके कर्म और नैतिक आचरण से होता है। यह विचार उस समय की सामाजिक विषमताओं के खिलाफ एक क्रांतिकारी संदेश था।

बुद्ध धम्म के प्रमुख सांस्कृतिक मूल्य हैं:
समता (Equality) - सभी मनुष्य समान हैं।
करुणा (Compassion) - सभी जीवों के प्रति दया और प्रेम।
अहिंसा (Non-violence) - हिंसा से दूर रहना और शांति का मार्ग अपनाना।
मध्यम मार्ग (Middle Path) - जीवन में संतुलन और संयम रखना। प्रज्ञा (Wisdom) - ज्ञान और विवेक से जीवन का मार्ग चुनना। ये मूल्य केवल आध्यात्मिक नहीं बल्कि सामाजिक जीवन को भी बेहतर बनाने की दिशा देते हैं।

3. श्रावस्ती में बुद्ध की शिक्षाओं का प्रभाव

श्रावस्ती वह स्थान है जहां बुद्ध ने अनेक महत्वपूर्ण उपदेश दिए। यहां उन्होंने समाज में फैली अंधविश्वास, असमानता और हिंसा जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला और लोगों को नैतिकता, संयम और जागरूकता का मार्ग दिखाया। बुद्ध के उपदेशों का प्रभाव यह हुआ कि समाज में समानता और मानवीय गरिमा का विचार मजबूत हुआ। श्रावस्ती इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां बुद्ध ने अनेक लोगों को धर्म की दीक्षा दी और संघ का विस्तार किया।

4. आधुनिक समय में श्रावस्ती और बुद्ध धम्म का महत्व

आज के समय में जब समाज में तनाव, हिंसा और असमानता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, तब बुद्ध धम्म के मूल्य पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। श्रावस्ती आज भी विश्व भर के बौद्ध अनुयायियों के लिए आस्था और अध्ययन का प्रमुख केंद्र है। यहां हर वर्ष हजारों लोग आते हैं और बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हैं।

बुद्ध धम्म हमें सिखाता है कि समाज में शांति और सौहार्द कैसे स्थापित किया जाए मानवता को सर्वोच्च मूल्य कैसे बनाया जाए और जीवन को नैतिकता व ज्ञान के आधार पर कैसे जिया जाए।

श्रावस्ती केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं बल्कि बुद्ध की करुणा, समता और प्रज्ञा की जीवंत भूमि है। यहां से प्रसारित बुद्ध धम्म के सांस्कृतिक मूल्य आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। यदि समाज इन मूल्यों को अपनाए—जैसे समानता, करुणा, अहिंसा और विवेक—तो एक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज की स्थापना संभव है।

इस प्रकार श्रावस्ती और बुद्ध धम्म भारतीय और विश्व संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जो मानव जीवन को नैतिकता, ज्ञान और मानवता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

नवीं पास युवा किसान ने लगाया पपीता का बाग:महाराष्ट्र से पौधे लाकर लगाए,अब बायो रिसर्च सेंटर खोलने की योजना

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । झालावाड़ जिले के रहने वाले रामनिवास गौड़ महज नौ क्लास तक ही पढ़ पाए। मगर प्राकृतिक खेती करते इन्होंने कई नवाचार किए कि कृषि विभाग के अफसर जिले के दूसरे किसानों को यहां का भ्रमण करवा रहे हैं। भविष्य में यहां बायो रिसर्च सेंटर खोले जाने की भी योजना है। पचपहाड़ तहसील के मिश्रौली निवासी रामनिवास गौड़ ने बताया कि कोरोना काल में दुनिया में स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो गई थी। तब हमने प्राकृतिक खेती करने का फैसला लिया। शुरूआत में कम फसल हुई लेकिन केमिकल इस्तेमाल का खर्चा भी बच गया। घर में तीन चार पशु है। लगभग 6 साल से गौ आधारित प्राकृतिक खेती कर रहा हूं।प्राकृतिक खेती से धरती को रसायन मुक्त करने के साथ-साथ गौ माता का संरक्षण भी हो रहा है। जीवामृत, घनजीवामृत, हयूमिक एसिड, सरल कंपोस्ट खाद, गोबर का घोल और दशपरणीअर्क का उपयोग कर रहे हैं।

फसलों में कीट प्रकोप को रोकने के लिए दशपरणी अर्क का उपयोग कर रहा हूं।

किसानों को सीखा रहे है जीवामृत बनाना

यही नहीं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों को जागरुक कर उनको नि:शुल्क जीवामृत कल्चर दे रहा हूं। जिससे वे भी रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती कर सके। प्राकृतिक खेती से मिट्टी उपजाऊ रहती है और खेती की लागत भी कम होगी। अत्यधिक पेस्टिसाइड से जमीन बंजर हो रही है। इसे बचाने का एकमात्र विकल्प प्राकृतिक खेती की ओर लौटना ही है। आसपास के दर्जनों किसानों को वह जीवामृत बनाना सिखा चुके हैं। साथ ही कई किसानों को दो दो लीटर की बोतल में भरकर निशुल्क जीवामृत कल्चर दे रहे हैं। ताकि वे अपने खेत ले जाकर इसकी मात्रा बढ़ा सकें। किसान 2 लीटर कल्चर को अपने यहां ड्रम में ले जाकर गोमूत्र, आटा और गुड़ डालकर बहुत सारा बना लेते हैं। इस साल एक बीघा में पपीता की बगीचा लगा रहे है।

महाराष्ट्र से ली ट्रेनिंग

इसके लिए प्रशिक्षण लेने महाराष्ट्र गया। WS 46 वैरायटी के पौधे ले आए हैं। सितंबर महीने तक इसकी पहली फसल आ जाएगी। इससे पहले साढ़े तीन एकड़ में गेहूं, चना, मसूर, धनिया, उड़द, सोयाबीन और मक्का की फसल ले रहे हैं। इनमें जीवामृत एक बार बारिश के पानी के साथ बहाते हैं। जबकि रबी में सिंचाई के लिए अलग रख लेते हैं। फिर फसलों को पानी के साथ दे देते हैं। इस तरह फसलों का खर्च भी 20 प्रतिशत ही आता है।पहले रासायनिक खेती में लागत बहुत ज्यादा आती थी। प्राकृतिक खेती में फसलों के भाव डेढ़ गुना ज्यादा मिल रहा है। गेहूं ही 45 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है।

कृषि विभाग के अधिकारी समय समय पर फार्म पर विजिट करते हैं। आसपास वाले किसान हमसे प्रेरित होकर जैविक खेती की शुरूआत कर रहे हैं। अगर किसान पूरी जानकारी के साथ प्राकृतिक खेती शुरू करें तो पहले साल में ही उत्पादन औसत उत्पादन से ज्यादा ही मिलेगा। जैविक फसल का रेट हमें ज्यादा मिलता है। आसपास के बीस पच्चीस किलोमीटर के एरिया में प्राकृतिक खेती के तहत पहला पपीता बाग स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि उसने दसवीं की पढ़ाई छोड़ दी थी। मगर छोटा भाई सरकारी स्कूल में शिक्षक है। वह भी मार्गदर्शन करता है। एक सीजन में ढाई से तीन लाख रुपए की बचत हो जाती है। गायों का दूध घी पर्याप्त हो जाता है। खेती में नवाचार के लिए विभाग ने कई बार पुरस्कृत किया है।

जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज का आधार, चिड़ावा में मनाया गया विश्व उपभोक्ता दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के सनातन आश्रम में रविवार को विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया। झुंझुनूं जिला उपभोक्ता समिति के द्वारा आयोजित हुए कार्यक्रम में वक्ताओं ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने और बाजार में होने वाली धोखाधड़ी के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता झुंझुनूं जिला उपभोक्ता समिति के जिलाध्यक्ष प्रभुशरण तिवाड़ी ने उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'जागो ग्राहक जागो' केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य का आधार है। तिवाड़ी ने बताया कि यदि उपभोक्ता जागरूक होकर खरीदारी के समय पक्का बिल ले और गुणवत्ता मानकों की जांच करे, तो बाजार में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर लगाम लगाई जा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैद्य जनार्दन शर्मा ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवासी उद्योगपति हुक्मीचंद लाम्बीवाला, संगठन के जिला उपाध्यक्ष शिक्षाविद हीरालाल शर्मा खाजपुर, पूर्व पार्षद शिवलाल सैनी,

जिला संगठन प्रभारी कैप्टन शंकरलाल महरानिया, डॉ. शंभू पंवार, कांतिप्रसाद हलवाई ,कवि नगेंद्र शास्त्री व डॉ एलके शर्मा मौजूद रहे। वक्ताओं ने डिजिटल युग में ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान होने वाली धोखाधड़ी से बचने और अपनी शिकायतों को उपभोक्ता फोरम तक ले जाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान डीजे के कानफोड़ू संगीत पर रोक लगाने या फिर उसकी आवाज को लिमिट करने की मांग पुर जोर से उठीं। उपस्थित सभी जनों ने एक स्वर में प्रशासन से इस पर लगाम लगाने की बात कही। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अशोक शर्मा अरडावतिया के द्वारा किया गया। इस दौरान अशोक सुरोलिया, रमेश शर्मा, बालकृष्ण चौरासिया, गिरधर गोपाल महमिया, रजनीकांत मिश्रा, सुरेश शेखावत, तेजप्रकाश सोनी, मनीष शर्मा, आयुष मोरोलिया, महेन्द्र रणवा, शिक्षाविद रामनिवास जांगिड़, देवदत्त शर्मा, रामू सोलंकी, मातादीन महर्षि, रत्तीराम जांगिड़ सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति समाज में चेतना जगाने का संकल्प लिया।

नववर्ष के आगमन से पूर्व ढोलास के पारीक को एक पखवाड़े में मिली दोहरी सफलता की खुशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

समीपवर्ती ढोलास गांव निवासी व राजस्थान पुस्तकालय सेवा परिषद के पूर्व अध्यक्ष विनोद पारीक के होनहार व प्रतिभाशाली पुत्र गौरव ने एक पखवाड़े के अंदर सफलता का दोहरा परचम लहराने में कामयाबी हासिल की है। भारतीय सेना के सैनिक गौरव पारीक ने अपनी सेवानिवृत्ति से पूर्व ही पहले एसबीआई बैंक में चयन होकर सफलता का परचम लहराया और अब राजस्थान ग्रामीण बैंक में चयनित होने में कामयाबी हासिल की है ।ढोलास के पारीक परिवार को नववर्ष के आगमन से पूर्व मिली डबल सफलता पर परिजनों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व समर्थकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

श्रावस्ती में ऑल इंडिया नाग संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू, नाग-बौद्ध संस्कृति और महिला सशक्तिकरण पर मंथन

देश-विदेश के विद्वानों की भागीदारी, नाग दर्पण पत्रिका का लोकार्पण; बाबासाहेब के विचारों पर खुली चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़/ हरेश पंवार

श्रावस्ती (उत्तर प्रदेश)। ऑल इंडिया नाग संघ के दूसरे स्थापना दिवस के अवसर पर श्रावस्ती में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का रविवार 15 मार्च को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संघ के चेयरमैन प्रोफेसर राजीव कुमार ने की। समारोह का उद्घाटन परम पूज्य भंते सिंगलदीप ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो-वाइस चान्सलर डॉ. डी एन एन एस यादव, विशिष्ट अतिथि डॉ राजमोहन (तमिलनाडू) ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मुन्नी सिंह ने विपश्यना ध्यान का अभ्यास करवाया। इसके बाद स्वागत भाषण संघ के वाइस चेयरमैन डी.आर. आर्य ने प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र में महिला चेतना और सशक्तिकरण विषय पर गहन विमर्श हुआ। वक्ताओं ने नाग सभ्यता में महिलाओं की भूमिका, वर्तमान सामाजिक स्थिति और महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों, विशेषकर 'मुझे पढ़े-लिखे लोगों ने धोखा दिया' कथन के संदर्भ में सामाजिक विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रोफेसर राजीव कुमार ने नाग संस्कृति और सभ्यता के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नाग और बौद्ध संस्कृति के अनेक

श्रावस्ती में नाग दर्पण पत्रिका का विमोचन करते हुए

राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थिति अतिथियों द्वारा भी विमोचन किया गया

ऐतिहासिक प्रमाण भारतीय इतिहास में विद्यमान हैं, जिन्हें समझना और समाज के सामने लाना आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की उन्नति से ही मापी जाती है। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली से आई रमाबाई महिला संघ की टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कार्यकारी संपादक डॉ. रूपचंद गौतम द्वारा संपादित 'नाग दर्पण' पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया।

दूसरे सत्र का संचालन दिल्ली की पत्रकार साक्षी गौतम ने किया। इस सत्र में

रमाबाई महिला बौद्ध संगति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सीमा माथूर, उषा बौद्ध (बिहार) और एडवोकेट विमल सोनकर (श्रावस्ती) ने नाग संस्कृति, सामाजिक चेतना और महिला अधिकारों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। संघ के राष्ट्रीय परिषद सदस्य संजीव कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। रात्रिकालीन तृतीय सत्र में बाबासाहेब के कथन 'मुझे पढ़े-लिखे लोगों ने धोखा दिया - हकीकत या भ्रम' विषय पर खुली चर्चा आयोजित की गई। इस सत्र में इंजीनियर चंदेश्वर राम, मीडियाकर्मी अर्जुन राम, अंजनेय कनौजिया (वाराणसी), नेपाल सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं नेपाल सरकार की प्रथम ह्यूमन राइट्स अवार्डी तथा राष्ट्रीय प्रशिक्षण सचिव उपेंद्र साफी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का अध्यक्षीय संबोधन बी.बी. मेश्राम (राष्ट्रीय संगठन सचिव) ने किया। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के आठ राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ नेपाल से भी बौद्ध प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य उस ऐतिहासिक भूमि पर नाग और बौद्ध संस्कृति के सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक पहलुओं पर गहन चिंतन करना है, जहां गौतम बुद्ध ने अपने जीवन के लगभग 25 वर्ष वर्षावास के दौरान धम्मचर्चा और साधना की थी। आयोजकों के अनुसार यह अधिवेशन नाग और बौद्ध सांस्कृतिक विरासत के अध्ययन, सामाजिक समता और जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

शहतूत का व्यापक औषधीय उपयोग है

शहतूत की पत्तियों का प्राथमिक उपयोग रेशमकीट को खिलाना है। शहतूत का व्यापक औषधीय उपयोग है जैसे रक्त टॉनिक बनाने के लिए, चक्कर आना, कब्ज, टिनिटस, मूत्र असंयम आदि के लिए इसका उपयोग फलों के रस बनाने के लिए भी किया जाता है जो कोरिया, जापान और चीन में बहुत लोकप्रिय है। यह एक बारहमासी पौधा है जिसकी औसत ऊंचाई 40-60 फीट है। फूलों को कॉम्पैक्ट रूप से व्यवस्थित किया जाता है जो बैंगनी काले रंग के फल देता है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु भारत के प्रमुख शहतूत उगाने वाले राज्य हैं।

रेशम के कीडे पालने तथा फलो के लिए भी इसकी खेती की जाती है। शाखाओं से मजबूत रेशा प्राप्त होता है और उनसे टोकरियां बनाई जाती है। जलावन की लकडी तथा चारा के रूप में भी इस्तेमाल होता है।

फसल की किस्म

एस -36: इस किस्म में दिल के आकार के पत्ते होते हैं जो मोटे और हल्के हरे रंग के होते हैं। शहतूत की पत्तियों की औसत उपज 15,000-18,000 किग्रा / एकड़ है। पत्तियों में उच्च नमी और पोषक तत्व होते हैं।

वी -1: किस्म 1997 में जारी की गई है। इस किस्म में अंडाकार और चौड़े आकार के पत्ते होते हैं जो गहरे हरे रंग के होते हैं। शहतूत की पत्तियों की औसत उपज 20,000-24,000 किलोग्राम / एकड़ है।

बुवाई का समय

शहतूत मुख्य रूप से जुलाई - अगस्त के महीने में लगाया जाता है। वृक्षारोपण के लिए नर्सरी जून - जुलाई के महीने में अच्छी तरह से तैयार की जाती है।

दुरी

पौधों के बीच की दुरी 90 सैं.मी. × 90 सैं.मी. रखें7

बीज की गहराई

गड्ढे में 90 सैं.मी. की गहराई पर बुवाई करनी चाहिए।

बीज की मात्रा

4 किग्रा / एकड़ की बीज दर का प्रयोग करें।

बीज का उपचार

सबसे पहले बीज को ठंडे स्थान पर 90 दिनों के लिए संग्रहीत किया जाता है। भंडारण के 90 दिनों के बाद बीजों को 2 दिनों के बाद पानी की जगह 4 दिनों के लिए पानी में भिगोया जाता है। फिर बीज को नम रहने के लिए कागज के तौलिया में रखा जाता है। जब बीजों में अंकुरण देखा जाता है तो उन्हें नर्सरी बेड में बोया जाता है।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

25 मीट्रिक टन/ प्रति हेक्टेयर/प्रति वर्ष की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। दूसरे साल से आगे 350 :140 :140 /प्रति हेक्टेयर/प्रति वर्ष की दर से एनपीके का प्रयोग करें।

शहतूत की पत्तियों का प्राथमिक उपयोग रेशमकीट को खिलाना है। शहतूत का व्यापक औषधीय उपयोग है जैसे रक्त टॉनिक बनाने के लिए, चक्कर आना, कब्ज, टिनिटस, मूत्र असंयम आदि के लिए इसका उपयोग फलों के रस बनाने के लिए भी किया जाता है जो कोरिया, जापान और चीन में बहुत लोकप्रिय है। यह एक बारहमासी पौधा है जिसकी औसत ऊंचाई 40-60 फीट है। फूलों को कॉम्पैक्ट रूप से व्यवस्थित किया जाता है जो बैंगनी काले रंग के फल देता है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु भारत के प्रमुख शहतूत उगाने वाले राज्य हैं।

रेशम के कीडे पालने तथा फलो के लिए भी इसकी खेती की जाती है। शाखाओं से मजबूत रेशा प्राप्त होता है और उनसे टोकरियां बनाई जाती है। जलावन की लकडी तथा चारा के रूप में भी इस्तेमाल होता है।

सिंचाई

सिंचाई सप्ताह में एक बार दी जाती है श्च 80-120 मिमी। जब भी उस क्षेत्र में पानी की कमी होती है तब ड्रिप सिंचाई की आवश्यकता होती है। ड्रिप सिंचाई से 40% पानी की बचत होती है।

फसल की अवधि

शहतूत अच्छी तरह से स्थापित होने के बाद रोपण के छह महीने बाद पहली फसल ली जानी चाहिए।

कटाई का समय

कटाई मुख्य रूप से तब की जाती है जब फल गहरे लाल रंग में लाल हो जाता है। यह पसंद किया जाता है कि कटाई सुबह के घंटों में की जाती है। कटाई मुख्य रूप से हाथ उठाने की विधि या झटकों की विधि द्वारा की जाती है। कंपकंपी विधि में, पेड़ के नीचे कपास या प्लास्टिक शीट रखकर पेड़ को हिलाया जाता है। लगभग सभी पके हुए शहतूत कपास या प्लास्टिक शीट पर बारिश करेंगे। प्रसंस्करण के लिए पूरी तरह से पके फलों का उपयोग किया जाता है।

उत्पादन क्षमता

सामान्य रूप से अपेक्षित वार्षिक पैदावार 40-50 टन पत्तियाँ प्रति एकड़ होती हैं।

खरपतवार नियंत्रण

खर-पतवार को खत्म करने और वायु संचरण के लिए वृक्षारोपण के एक महीने के बाद एक हल्की खुदाई करें। एक महीने के अंतराल पर दो बार और हल्की खुदाई और निराई करें।

गर्मियों में मूंग की उन्नत खेती

मूंग भारत में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसमें 24 प्रतिशत प्रोटीन के साथ-साथ रेशे एवं लौह तत्व भी प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। मूंग की जल्दी पकने वाली एवं उच्च तापमान को सहन करने वाली प्रजातियों के विकास के कारण जायद में मूंग की खेती लाभदायक हो रही है। मूंग की उन्नत तकनीक अपनाकर जायद ऋतु में फसल का उत्पादन 10-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक लिया जा सकता है।

बोने का समय :

ग्रीष्मकालीन मूंग की बुआई का अनुकूल समय 10 मार्च से 10 अप्रैल होता है ग्रीष्मकाल में मूंग की खेती करने से अधिक तापमान तथा कम आर्द्रता के कारण बीमारियों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है । परंतु इससे देरी से बुआई करने पर गर्म हवा तथा वर्षा के कारण फल्लियों को नुकसान होता हैं। अप्रैल में शीघ्र पकने वाली प्रजातियों को लगाना उत्तम होता है ।

भूमि और तैयारी:

मूंग को रेतीली से काली कपास वाली सभी प्रकार की मृदाओं में उगाया जा सकता है परंतु इसकी खेती के लिये अच्छे जलनिकास वाली दोमट मृदा सर्वोत्तम होती है। क्षारीय एवं अम्लीय भूमि मूंग की खेती के लिये उपयुक्त नहीं होती है। जायद की फसल के लिये पलेवा देकर खेत की तैयारी करनी चाहिये। 2-3 जुताई देशी हल से करने के बाद पाटा लगाना चाहिये जिससे मृदा भुरभुरी हो जाये और भूमि में नमी संरक्षित रहे।

बीजदर एवं बीजोपचार:

ग्रीष्मकालीन मूंग की बुआई हेतु 20-25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त होता है। बीजों को 2.5 ग्राम थायरम एवं 1.0 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 4-5 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशी से बीजोपचार के पश्चात् बीज को राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर से उपचारित करें। राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के लिये 25 ग्राम गुड़ तथा 20 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर को 50 मिलीलीटर पानी में अच्छी तरह से मिलाकर 1 किलोग्राम बीज पर हल्के हाथ से मिलाना चाहिये एवं बीज को 1-2 घंटे छायादार स्थान पर सुखाकर बुआई के लिये उपयोग करना चाहिये।

बुआई का तरीका :

मूंग को 25-30 सेमी कतार से कतार तथा 5-7 सेमी पौधे से पौधे की दूरी पर बुआई करें एवं बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बोना चाहिये जिससे अच्छा अंकुरण प्राप्त हो सके।

पोषक तत्व प्रबंधन :

सामान्य रूप से मूंग की फसल में 15-20 किलोग्राम नत्रजन, 40-60 किलोग्राम स्फुर तथा 20-30 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें । सभी उर्वरकों को बुआई के समय डालना चाहिये ।

जल प्रबंधन :

जायद में हल्की भूमि में 4-5 बार सिंचाई की जबकि भारी भूमि में 2-3 बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह ध्यान रखना आवश्यक होता है कि शाखायें बनते समय तथा दाना भरते समय भूमि में नमी पर्याप्त रहे।

खरपतवार प्रबंधन :

जायद की फसल में पहली सिंचाई के पश्चात् हस्तचालित हो या हाथ से निंदाई करके खरपतवार निकालें। दूसरी निंदाई फसल में आवश्यकतानुसार की जा सकती है।

रोग प्रबंधन :

मूंग में फफूंदजनित रोगों में चूर्णी कवक, मैक्रोफोमिना झुलसन, सरकोस्पोरा पर्ण दाग तथा एन्थ्रेक्नोज प्रमुख हैं। इन रोगों की रोकथाम के लिये रोगरोधी किस्मों का चयन करें उचित बीजोपचार करें, समय पर नींदा नियंत्रण करें तथा खेत में उचित जल निकास रखें। तथा बुआई के 30 दिन बाद फसल पर कार्बेन्डाजिम दवा की 500 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन बाद छिड़काव दोबारा कर सकते हैं। इसके अलावा मूंग में पीला मोजेक या पीली चितेरी रोग अधिक लगता है यह एक विषाणुजनित रोग है जिसका एक पौधे से दूसरे पौधे में संक्रमण सफेद मक्खी द्वारा होता है। सर्वप्रथम नई पत्तियों की नसों के बीच में पीले और हरे रंग के कोणीय धब्बे पड़ते हैं बाद में प्रभावित पत्तियों का पीलापन धीरे-धीरे बढ़ता जाता है और पूरी पत्ती पीली पड़ जाती है। इसकी रोकथाम के लिये रोगरोधी प्रजातियां लगायें। खेत में ध्यान देने योग्य बात यह है कि प्रारंभ में कुछ ही रोगी पौधे होते है जिन्हें लक्षण दिखते ही उखाड़कर नष्ट कर दें और सफेद मक्खी की रोकथाम करें। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड की 150 मिली या डाइमिथिएट की 400 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा 400 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 12-15 दिन में छिड़काव दोहरायें।

कीट प्रबंधन :

मूंग की फसल पर काटने वाले एवं रसचूसक दोनों प्रकार के कीटों का प्रकोप होता है। भेदक कीटों में पिस्सू भृंग, फली भेदक कीट तथा पत्ती मोड़क कीट प्रमुख हैं जिनके नियंत्रण के लिये प्रोफेनोफॉस की 1 लीटर या क्लोरेन्ट्रानिलिट्रोल की 500 मिली या स्पाइनोसैड की 125 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से दो बार छिड़काव करें । रस चूसक कीटों जैसे सफेद मक्खी, थ्रिप्स या जैसिड्स के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड की 150 मिली या डाइमिथिएट की 400 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करें । भेदक एवं रसचूसक दोनों प्रकार के कीटों का प्रकोप होने पर प्रोफेनोसाइपर दवा की 1 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर कीटों का नियंत्रण किया जा सकता है ।

कटाई, गहाई एवं भंडारण : जब मूंग की 85 प्रतिशत फलियां परिपक्व हो जायें तब फसल की कटाई करें। अधिक पकने पर फलियां चटक सकती हैं अत: कटाई समय पर किया जाना आवश्यक होता है। कटाई उपरांत फसल को गहाई करके बीज को 9 प्रतिशत नमी तक सुखाकर भंडारण करें।

अत्यंत स्वादिष्ट और मीठा फल है सीताफल (शरीफा)

जिसे गरीबों के फल के नाम से भी जाना जाता हैं। सीताफल (शरीफा) यह मूल रूप से जंगलों मे पाया जाता हैं व खेतों की मेढ़ आदि जगहों पर पाया जाता हैं। यह फल मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश व आसाम राज्यों के जंगलों में मिल जाता हैं।

सीताफल का सेवन मुख्य रूप से ताजा ही किया जाता है, क्योंकि इनमें भरपूर, मलाईदार, मीठा स्वाद होता है। ये एक उच्च पाचन योग्य गूदे के साथ बहुत स्वादिष्ट, पौष्टिक, चीनी, प्रोटीन और फास्फोरस से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग रस, शर्बत, मिठाई, वाइन और आइसक्रीम के व्यंजनों में भी किया जाता है। सूखे हुए कच्चे फल, बीज और पत्तियों का चूर्ण कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। पत्तियों, तनों और बीजों में रेशा, तेल और विभिन्न क्षाराभ मौजूद होते हैं।

बुवाई का समय

पौधे जुलाई-अगस्त या फरवरी-मार्च के समय लगाए।

बीज की मात्रा

एक हेक्टेयर में अनुमानित 350 -400 पौधे लग सकते है।

बीज लगाने की विधि

इसको लगाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि पॉलीथीन के थैलियों में मिट्टी भरकर बीज लगाये और जब पौधे जमकर तैयार हो जायें तब पॉलीथीन के थैलियों को नीचे को अलग कर दें।

पौध रोपण से पूर्व

सीताफल के पौधे के लिये गर्मी के दिनों में 60 × 60 × 60 सें.मी. आकार के गड्ढे 5 × 5 मी. की दूरी पर तैयार किये जाते हैं। इन गड्ढों को 15 दिन खुला रखने के बाद ऊपरी मिट्टी में 5-10 कि.ग्रा. गोबर की सड़ी खाद, 500 ग्राम करंज की खली तथा 50 ग्राम एन.पी.के. मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर भर देना चाहिये। इसके बाद गड्ढे की अच्छी तरह दबा दें और उसके चारों तरफ थाला बनाकर पानी दे दें। यदि वर्षा न हो रही हो तो पौधों की 3-4 दिन पर सिंचाई करने से पौधा स्थापना अच्छी होती है।

पौधे लगाने का तरीका

पौधें को पिंडी सहित बगीचे में तैयार गड्ढे में लगा दें।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

सीताफल के पेड़ प्रत्येक वर्ष फल देते है अत: अच्छी पैदावार के लिये उचित मात्रा में सड़ी हुई गोबर की खाद एवं रासायनिक उर्वरक देनी चाहिये। सीताफल की पूर्ण विकसित पेड़ में 20 कि.ग्रा. गोबर की खाद, 40 ग्रा. नाइट्रोजन, 60 ग्रा. फास्फोरस और 60 ग्रा. पोटाश प्रति पेड़ प्रति वर्ष देना चाहिए। तथा मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व मिट्टी परिक्षण के आधार पर देना चाहिए।

सीताफल (शरीफा) एक अत्यंत स्वादिष्ट और मीठा फल है। जिसे गरीबों के फल के नाम से भी जाना जाता हैं। सीताफल (शरीफा) यह मूल रूप से जंगलों मे पाया जाता हैं व खेतों की मेढ़ आदि जगहों पर पाया जाता हैं। यह फल मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश व आसाम राज्यों के जंगलों में मिल जाता हैं।

सीताफल का सेवन मुख्य रूप से ताजा ही किया जाता है, क्योंकि इनमें भरपूर, मलाईदार, मीठा स्वाद होता है। ये एक उच्च पाचन योग्य गूदे के साथ बहुत स्वादिष्ट, पौष्टिक, चीनी, प्रोटीन और फास्फोरस से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग रस, शर्बत, मिठाई, वाइन और आइसक्रीम के व्यंजनों में भी किया जाता है। सूखे हुए कच्चे फल, बीज और पत्तियों का चूर्ण कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है। पत्तियों, तनों और बीजों में रेशा, तेल और विभिन्न क्षाराभ मौजूद होते हैं।

खरपतवार नियंत्रण

समय समय पर निंदाई करते रहे अगस्त-सितंबर माह में एक बार जुताई करे जिससे खरपतवार और घास खत्म हो जाएगी तथा जिन क्षेत्रों में पानी की कमी होती हैं वहां नमी को संरक्षित किया जा सकेगा। नये पौधों में 3 वर्ष तक उचित ढाँचा देने के लिये कांट-छांट करना चाहिये।

सिंचाई

पौधे लगाने के तुरंत बाद पानी देना चाहिए। सीताफल के पौधों को गर्मियों में पानी देना आवश्यक होता है। अत: इस समय 15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिये। वर्षा की समाप्ति के बाद एक या दो सिंचाई करने से फलों का आकार बड़ा होता है।

फलों की तुड़ाई

सीताफल (शरीफा) के फल जब कुछ कठोर हों तभी लेना चाहिए क्योंकि पेड़ पर काफी दिनों तक छुटे रहने पर वे फट जाते हैं। अत: इसकी तुड़ाई के लिये उपयुक्त अवस्था का चुनाव करना चाहिये। इसके लिये जब फलों पर दो उभारों के बीच रिक्त स्थान बढ़ जाय तथा उनका रंग परिवर्तित हो जाय तब समझना चाहिये फल पकने की अवस्था में हैं। कच्चे फल नहीं तोड़ना चाहिये क्योंकि ये फल ठीक से पकते नहीं और उनसे मिठास की मात्रा भी कम हो जाती है।

उत्पादन

पौधा लगाने के तीन वर्ष बाद से यह फल देना शुरू कर देता है। एक 4-5 वर्ष पुराने पौधे में 50-70 फल लगता है जबकि पूर्ण विकसित पौधे से 100 फल तक उपज मिलता है।

मंडावर में घरेलू गैस की किल्लत गहराई, कॉमर्शियल सिलेंडरों की जगह धड़ल्ले से हो रहा घरेलू सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग

कॉमर्शियल सिलेंडरों की कमी से बढ़ी लकड़ी के गुटकों की मांग।

लाल सिलेंडरों पर जल रही व्यवसायिक भट्टिया, घरों के चूल्हे ठंडे।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों घरेलू गैस की किल्लत ने आम उपभोक्ताओं की रसोई पर सीधा असर डाल दिया है। घरों में चूल्हे ठंडे पड़ने की नौबत है, जबकि बाजार में ढाबों, होटलों, रेस्टोरेंटों, मिष्ठान भंडारों, कैफे और चाय सहित चाट पकौडी की दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम व्यवसायिक उपयोग होते देखा जा सकता है। हालात यह हैं कि जहां एक तरफ आम उपभोक्ता को सिलेंडर लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में लाल रंग के घरेलू सिलेंडर धड़ल्ले से जल रहे हैं। कस्बे में लोग तंज कसते हुए कहने लगे हैं कि 'घर की रसोई बुझी पड़ी है और बाजार की कढ़ाइयां लाल सिलेंडरों से खौल रही हैं।' शहर में चर्चा है कि कई ढाबों और रेस्टोरेंटों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के बजाय घरेलू गैस का उपयोग किया जा रहा है। यह स्थिति तब है जब घरेलू गैस सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित हैं और नियमों के अनुसार इनका व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई जगहों पर खुलेआम इस नियम की अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मानो आंखों पर काला चश्मा चढ़ाए बैठे हैं और पूरे मामले पर गहरी चुप्पी साधे हुए हैं। ग्रामीणों के बीच यह कहावत भी सुनाई देने लगी है कि 'राख में चिंगारी है, मगर चौकीदार ही बेखबर है।'

अफवाहों ने बढ़ाई किल्लत,अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने की मची होड।

क्षेत्र में गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों का बाजार भी गर्म है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों की खबरों के बाद गैस आपूर्ति को लेकर लोगों में आशंका बढ़ गई है। इसी बीच घरेलू गैस सिलेंडरों के दामों में हुए उतार-चढ़ाव ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी। परिणामस्वरूप कई उपभोक्ताओं ने एहतियात के तौर पर एक के बजाय दो-दो और तीन-तीन सिलेंडर तक का स्टॉक करना शुरू कर दिया। शादी समारोहों के मौसम में भी बड़ी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग हो रहा है, जिससे बाजार में मांग और बढ़ गई है। हाल के दिनों में कॉमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने और फिर सीमित मात्रा में उपलब्ध होने की खबरों ने भी लोगों में किल्लत की आशंका को और गहरा दिया। इसके साथ ही घरेलू गैस कनेक्शनों में रिफिल बुकिंग के दौरान ओटीपी संबंधी समस्याओं के कारण भी उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जब पहले से ही सिलेंडर मिलने में दिक्कत है और ऊपर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस का उपयोग जारी है तो आम उपभोक्ता की परेशानी बढ़ना स्वाभाविक है। गांवों में इस स्थिति पर लोग व्यंग्य में कहते हैं–

**'कागजों में व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त,
हकीकत में चूल्हा पूछे–मेरा कसूर क्या है?'**

लकड़ी और गुटकों के बढ़े भाव, दिखावे की भट्टियों का खेल।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी के चलते मंडावर क्षेत्र में लकड़ी और गुटकों की मांग भी अचानक बढ़ गई है। कई होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, मिष्ठान भंडार और चाय व चाट-पकौडी की दुकानों पर मिट्टी या लोहे की बनी भट्टियां और लकड़ी के गुटके दिखावे के तौर पर रख दिए गए हैं। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि इन भट्टियों की आड़ में असल में घरेलू गैस सिलेंडरों का ही उपयोग किया जा रहा है। कई दुकानों में बाहर भट्टी और लकड़ी का ढेर दिखाई देता है, जबकि अंदर रसोई में लाल रंग के घरेलू सिलेंडर से ही कढ़ाई चढ़ी रहती है। इस पूरे खेल से जहां सरकार को राजस्व का मोटा नुकसान हो रहा है, वहीं घरेलू गैस उपभोक्ताओं को किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। वहीं फिलहाल मंडावर क्षेत्र में गैस की किल्लत और घरेलू सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग का मुद्दा चौपाल से लेकर बाजार तक चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि 'जब तक नियमों पर सख्ती नहीं होगी, तब तक लाल सिलेंडरों की यह कहानी यूं ही बाजार की आंच पर पकती रहेगी।'

इनका कहना है??

एक बार सिलेंडर बुक होने के बाद 45 दिन से पहले दूसरी बुकिंग नहीं की जा सकती। धीरे-धीरे हालात सुधर रहे हैं और गैस की सप्लाई नियमित रूप से आने लगी है। यदि किसी उपभोक्ता को शिकायत है तो वह 181 हेल्पलाइन या गैस बुकिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा सकता है। हलवाई और रेस्टोरेंट संचालकों को भट्टियों और गुटकों के उपयोग के निर्देश दिए गए हैं तथा यदि कहीं घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग पाया गया तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

देवेंद्र आसेरी कार्यवाहक प्रवर्तन अधिकारी

सूरजगढ़ में जाट भवन की रखी नींव, दानदाताओं ने की 25 लाख रुपये की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

बुहाना रोड स्थित चिन्हित भूमि पर रविवार को भव्य समारोह के बीच जाट भवन का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस भवन के लिए सुमित्रा देवी खेदड़ (माताजी प्रमोद व विनोद खेदड़) द्वारा दान दी गई भूमि पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नींव रखी गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा गाए गए मंगल गीतों ने समूचे वातावरण को हर्षोल्लास से भर दिया। समारोह की अध्यक्षता दानदाता सुमित्रा देवी खेदड़ ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दाना शिवम अस्पताल (जयपुर) के निदेशक डॉक्टर सुनील कुमार गर्सा, विधायक श्रवण कुमार, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया और प्रधान बलवान सिंह चबरवाल उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व प्राचार्य एस आर प्रेमी, वकील संदीप मान, पिलानी जाट समाज अध्यक्ष वीरेन्द्र पूनिया, चिड़ावा युवा जाट समाज अध्यक्ष अजीत गर्सा, महेन्द्र सिंह नेहरा, नितिका थालोर, प्रमोद खेदड़, सोमवीर लाम्बा, जयसिंह मांठ और सुरेश भुकर ने शिरकत की।

जाट समाज सूरजगढ़ के अध्यक्ष जगदेव सिंह खरड़िया ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

इस ऐतिहासिक मौके पर समाज के दानदाताओं ने भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन महेन्द्र सिंह भालोठिया द्वारा किया गया। जाट समाज सूरजगढ़ के अध्यक्ष जगदेव सिंह खरड़िया ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस ऐतिहासिक मौके पर समाज के दानदाताओं ने भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम का कुशल संचालन महेन्द्र सिंह भालोठिया द्वारा किया गया।

समाज की एकजुटता का प्रतीक

इस अवसर पर सुरेश खेदड़, वेदप्रकाश नेहरा, धर्मपाल पीपली, राजकुमार गोदारा, कामरेड हुकमसिंह, राजकुमार राठी सहित सैकड़ों की संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, मातृशक्ति और युवा मौजूद रहे। अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया और अंत में मिठाई बाँटकर खुशी का इजहार किया गया।

राकसिया परिवार की सफलता की हैट्रिक, परिवार की तीसरी सदस्या पूजा का बैंक में हुआ चयन

पुत्री के बैंक में चयनित होने की खुशी में पिता ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में 31 हजार रुपए देने की घोषणा की

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां सीकर रोड शिव कालोनी निवासी स्व.मोतीलाल राकसिया परिवार ने सफलता की हैट्रिक बनाते हुए लक्ष्मनगढ सैनी समाज के इतिहास में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने बैंक में चयनित होने का रिकॉर्ड कायम करते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी देते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि स्व.मोतीलाल राकसिया की सुपौत्री व परमेश्वर लाल राकसिया की सुपुत्री एवं छात्रावास के फाइनेंस कंसल्टेंट अनिल कुमार सैनी व प्रवक्ता मनोज कुमार राकसिया की छोटी चचेरी बहन पूजा का राजस्थान ग्रामीण बैंक में चैयन हुआ है। चयनित हुई पूजा ने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों व परिजनों को दिया है। जबकि पूजा का बैंक में चयन होने की खुशी पर पिता परमेश्वर लाल ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के निर्माण व विकास के लिए 31 हजार रुपए देने की घोषणा की हैं। पूजा के बैंक में चयनित होने पर छात्रावास अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी सहित पदाधिकारी सदस्यों व विधार्थियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथा छात्रावास में आर्थिक सहयोग करने पर राकसिया परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया है। उल्लेखनीय है कि स्व. मोतीलाल राकसिया के सबसे बड़े पुत्र रामगोपाल के सुपुत्र अनिल राजस्थान ग्रामीण बैंक में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं जबकि अनिल के अनुज मनोज की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज एसबीआई बैंक में कार्यरत हैं तथा परिवार की तीसरी सदस्या पूजा का राजस्थान ग्रामीण बैंक में चयन होने पर परिजनों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व समर्थकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

श्रीमाधोपुर में राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ की मासिक बैठक एवं होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

सुमेर मीणा । राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ जिला सीकर के अधीन तहसील कार्यकारिणी की मासिक बैठक एवं होली स्नेह मिलन कार्यक्रम मीणा धर्मशाला श्रीमाधोपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ के सीकर जिलाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एडिशनल एसपी वीरेंद्र मीणा द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांवरमल मीणा थोई रहे। जबकि संरक्षक शिवलाल गुरारा, रामेश्वर डाबावाली विशिष्ट अतिथि रहे। जिला महामंत्री प्यारेलाल मीणा द्वारा मंच संचालन किया गया। तहसील महामंत्री श्रीमाधोपुर ने बताया कि मीणा समाज में महंगी शादीयों से निजात पाने के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन करवाने, नशा प्रथा पर रोक लगाने, बालिका शिक्षा के लिए बालिका छात्रावासों का निर्माण करवाने, युवाओं को सरकारी नौकरी की तलाश में न रहकर स्वयं का व्यापार व रोजगार तथा कौशल विकास की ओर ध्यान देने जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष के सामने विभिन्न तहसीलो से समाज के प्रकरण प्राप्त हुए जिनका निस्तारण नोटिस देकर अगली मीटिंग में करने के आदेश दिए गए। बैठक में सांवरमल मीना थोई, शिवलाल गुरारा, सीकर जिलाध्यक्ष वीरेंद्र मीणा, रामेश्वर डाबावाली, श्रीमाधोपुर तहसील अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मीणा, खंडेला तहसील अध्यक्ष मूलचंद शिलपुर, नीमकाथाना तहसील अध्यक्ष दिलीप सिंह मीणा नयाबास, जिला कोषाध्यक्ष जगमाल मीणा, पाटन तहसील अध्यक्ष मालीराम मीणा, रिंग्स तहसील अध्यक्ष हनुमान मीणा, श्रीमाधोपुर तहसील के उपाध्यक्ष महावीर मीणा चिपलाटा, मोहन सीमारला जगदीश मीणा श्रीमाधोपुर, मदन मीणा संरक्षक श्रीमाधोपुर, सुभाष मीणा तहसील महामंत्री श्रीमाधोपुर एवं समस्त तहसीलों के मंत्रीगणों सहित मीणा समाज के लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के निजीकरण के खिलाफ कंवेंशन आयोजित, 24 मार्च को धरना-प्रदर्शन का ऐलान

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा व सावित्रीबाई फुले ज्योतिबा फुले फाउंडेशन, नारनोल के संयुक्त तत्वावधान में माता रमाबाई अंबेडकर भवन, रेवाड़ी में एक कंवेंशन का आयोजन किया गया। कंवेंशन का मुख्य मुद्दा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के निजीकरण के खिलाफ जनवादी, धर्मनिरपेक्ष और वैज्ञानिक शिक्षा लागू करवाने को लेकर रहा। कार्यक्रम का संचालन कामरेड सुभाष चंद एडवोकेट ने किया, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हुकमचंद थानेदार ने की। इस दौरान राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हर व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, लेकिन वर्तमान समय में सरकारें शिक्षा का निजीकरण कर रही हैं। बजट के अभाव में अनेक विद्यालय बंद हो रहे हैं और शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। वक्ताओं ने कहा कि समाज में सही समझ विकसित न हो, इसके लिए शिक्षा को कमजोर किया जा रहा है। एक ओर मंदिरों में सोने के कलश चढ़ाए जा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर बच्चे बिना छत के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। कई जगह स्कूलों में भवन हैं तो शिक्षक नहीं और जहां शिक्षक हैं वहां भवन नहीं हैं। इसके अलावा शिक्षकों से पढ़ाने के अलावा अन्य कार्य करवाकर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है।

कंवेंशन में वक्ताओं ने कहा कि हमारे महापुरुषों ने हमेशा सभी के लिए निशुल्क, जनवादी, धर्मनिरपेक्ष और वैज्ञानिक शिक्षा की बात कही है, लेकिन आज शिक्षा को गैर-वैज्ञानिक तरीके से पढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अंधविश्वास और अज्ञानता बढ़ने का खतरा है। वर्तमान हालात को देखते हुए आंदोलन तेज करने पर भी जोर दिया गया। कंवेंशन में मान्यवर कांशीराम की जयंती भी मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि 24 मार्च 2026 को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। उपस्थित सभी लोगों ने इस धरने का समर्थन किया। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार (प्रदेश महासचिव, राष्ट्रीय बौद्ध महासभा), विमला, अनीता, शशि, पूनम सिंह, बौद्ध नेपाल, चेतन, सेठू राम लंबरदार, काशीराम, बुधराम, शिवदान सिंह, प्रताप सिंह, राजेंद्र कुमार, हरि सिंह, आशा, शोकरण, अशोक कुमार, विनोद कुमार, बीरबल सिंह, रेखा, परवीन, भागीरथ, नंदकिशोर, भवानी सिंह, चारविक, हरपाल, विनोद और आशुतोष सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने जनवादी, धर्मनिरपेक्ष और वैज्ञानिक शिक्षा लागू करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रधान शेर सिंह ने आए हुए सभी श्रोताओं का धन्यवाद किया और शिक्षा व स्वास्थ्य के निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

कांग्रेस का कार्यकर्ता अनुशासित एवं संगठित होता है- विधायक श्रवण कुमार

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

विधायक श्रवण कुमार ने सूरजगढ़ नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक ली और कहा कि भाजपा सरकार का डबल इंजन फेल हो चुका है

कांग्रेस का कार्यकर्ता अनुशासित एवं संगठित होता है पार्टी की ताकत कार्यकर्ता होते हैं और लोकतंत्र में जनता भगवान का रूप होती है। सूरजगढ़ के लोकप्रिय विधायक श्रवण कुमार ने नगर कांग्रेस कमेटी सूरजगढ़ की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि वर्तमान के दौर को देखते हुए देश के हालात ठीक नहीं चल रहे हैं।बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कालाबाजारी चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। पूरे देश में गैस सिलेंडर की किल्लत चल रही है। आम जनता परेशान हो रही है। भाजपा सरकार को जनता की परेशानियां को समझने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में सरकार जनता की होती है। इसलिए जनता जनार्दन की समस्याओं को समझ कर उसका निराकरण करने की आवश्यकता है। विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र एवं संविधान पर प्रहार कर रही है। भाजपा की सरकार पंचायत व निकाय चुनाव टलना चाहती है। विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि आने वाले निकाय पंचायत चुनाव में टिकाऊ, जीताऊ एवं कांग्रेस के मजबूत कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतर जाएगा। और कांग्रेस कार्यकर्ता इस बात का ध्यान में रखें की भाजपा सरकार का डबल इंजन पूर्ण रूप से फेल हो चुका है। बैठक को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान पार्षद महावीर प्रसाद सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार को जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं रखती है। गैस के दामों में बढ़ोतरी कर दी गई है उसके बावजूद भी जनता को गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 18 मार्च को 11:00 बजे उपखंड अधिकारी सूरजगढ़ को महंगाई एवं गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के विरोध में नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा ज्ञापन दिया जाएगा। कांग्रेस नेता पालीराम मुंशी ने बैठक में बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार से जनता ऊब चुकी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे आकर भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर करना जरूरी है। ऐसी जन विरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कमरकस लेनी चाहिए। बैठक को नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामसिंह चेतीवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विकास सिंह शेखावत, पंचायती राज कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष विजय उर्फ पप्पू चौधरी सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया।

बैठक में नगर कांग्रेस कमेटी महासचिव संगठन सांवरमल सैनी, निवर्तमान पार्षद सज्जन सैनी, मजदूर यूनियन ट्रेड कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक कटेवा,अंतर सिंह श्योराण, निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि हरिसिंह बड़सीवाल, पूर्व पार्षद मदन सैनी,जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के जिला उपाध्यक्ष विजय चंदेलिया, महेश शर्मा,सुरेश बडगुजर इंद्र कुमार चेतीवाल, रामदेव सैनी, नगर कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप गुरावा, नगर कांग्रेस सचिव मुकेश लुगरिया, रवि शर्मा, जसवंत मेघवाल, महेश शर्मा, हुकमचंद,जगदीश कनवाड़िया, रामनारायण बड़गुजर,जुगल किशोर चेतीवाल, नगर कांग्रेस महासचिव रफ़ीक खान,अयूब खान, नगर कांग्रेस उपाध्यक महेंद्र कुमावत ,मुकेश खान, मुकेश फुलवरिया,संदीप कुमावत, कपिल शाह,वैद अनिल कुमार जांगिड़, जगदीश कनवाड़िया, हुक्मीचंद, रविंद्र शर्मा, अंतर सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं कांग्रेस विचारधारा के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

मान्यवर कांशीराम की 92वीं जयंती व आजाद समाज पार्टी स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन में रविवार को बहुजन समाज के महानायक मान्यवर कांशीराम साहब की 92वीं जयंती एवं आजाद समाज पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर व मान्यवर कांशीराम के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र सिंह चारावास उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भीम आर्मी व आसपा आईटी संभाग प्रभारी सुधीर कुमार मेघवाल शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में ओमप्रकाश सुनिया भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व महाप्रबंधक जिला उद्योग मनीराम देवरोड़ ने मान्यवर कांशीराम के जीवन संघर्ष और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सिद्धांत सामाजिक न्याय, समानता और बहुजन समाज को संगठित करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने समाज से अंधविश्वास, पाखंडवाद और कुरीतियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर आसपा जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह चारावास ने कहा कि आने वाले चुनाव में पार्टी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और जल्द ही संगठन व पार्टी कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम में पंकज बौद्ध, शैलेश भारतीय, राजेश कुमार (बागोली), दुर्गा प्रसाद गुढ़ा, प्रीतम बिजौली, नाहर सिंह क्लॉथ कला, अनुराग भारू, बनवारीलाल सोलाना, एडवोकेट राकेश सबलानिया, अजीत मेघवाल धनौरी, सकील फौजी, कैलाश महाराज सारी, विक्रम गर्वा इंडाली, मनोज कुमार बजावा, राहुल कुमार निर्मल, कृष्ण इंडाली, राजेंद्र, मनीष अमरसिंहपुरा, रवि तूदवाल, अशोक कुमार मंडावा, बृजलाल बुडाना, पंच दिनेश बरवड़ इस्लामपुर, जयप्रकाश गर्वा, सुनील सीरस्वा, कमलेश काला, रोहित मौर्य, रवि कासनी, मंगेश भगत, विकास बुलानिया सहित भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बहुजन महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्देशों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जहाँ दुबई के लिए छह में से पांच और अबू धाबी के लिए निर्धारित सभी पांचों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रक से टकराई कार की टक्कर लगने से पदयात्रा कर रहे 21 वर्षीय जैन भिक्षु की मौत

-जैन समाज में शोक व्याप्त, मृतक को न्याय दिलाने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले के पास रविवार तड़के एक सड़क हादसे में पदयात्रा पर निकले 21 साल के जैन भिक्षु नम्ररत्न विजय महाराज की मौत हो गई। यह दुर्घटना भालीवली गांव के पास उस समय हुई जब तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से आए ट्रक की टक्कर के बाद नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पैदल चल रहे भिक्षु नम्ररत्न को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक नम्ररत्न विजय महाराज अपने साथियों के साथ पदयात्रा करते हुए सफाले के प्रतापधाम सतीवली से विरार के आगे स्थित महावीरधाम शिरसाद की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5:15 बजे जब वे भालीवली पुल के पास पहुंचे, तभी गुजरात की ओर से आ रही कार को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे सड़क किनारे चल रहे जैन भिक्षु से जा टकराई। घायल भिक्षु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नम्ररत्न विजय महाराज मूल रूप से गुजरात के निवासी थे और उनके निधन से जैन समुदाय में शोक की लहर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार चालक मानखुर्द निवासी आकाश ईश्वर आनंदवार है, जबकि ट्रक चालक सूरत का रहने वाला राजू सिंह तोमर है। दोनों चालकों को नोटिस जारी कर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जांच जारी है। इस दुखद घटना के बाद जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय जैन समुदाय के सदस्यों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। नम्ररत्न विजय महाराज ने 2020 में धर्मसूरी संप्रदाय में दीक्षा ली थी।

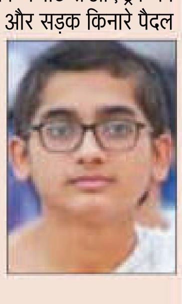

पाली में हाईटेंशन लाइन टूटने से 57 भेड़-बकरियों की मौत, पशुपालकों में मचा हड़कंप

पाली (एजेंसी)। ,राजस्थान के पाली जिले के बाली उपखंड के नाना थाना क्षेत्र में रविवार को एक गंभीर हादसा हुआ। भीमाना गांव की डाग फली में हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान पास ही चर रही भेड़-बकरियों में से 57 की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब स्थानीय पशुपालक अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा और उसमें प्रवाहित करंट के कारण भेड़-बकरियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज करंट लगने से अधिकांश भेड़-बकरियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे के समय वहां मौजूद पशुपालकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से भागना शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान एक पशुपालक को चोट भी आई है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। तार गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार, 700 रुपये 'दिहाड़ी' पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं। गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी ली। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसार देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना। लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़ते हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में ब्रह्मपुरी रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए।

आकाश इंस्टीट्यूट चिड़ावा व लोहिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की करियर काउंसलिंग में उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र, उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने का संकल्प विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सही मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से आकाश इंस्टीट्यूट चिड़ावा एवं लोहिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया, जो उत्साह एवं भव्यता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। पूरे सभागार में प्रेरणा, सकारात्मक सोच और भविष्य को लेकर नया आत्मविश्वास देखने को मिला। सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, व्यक्तित्व विकास, जीवन मूल्यों तथा आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सफलता प्राप्त करने के प्रभावी सूत्र बताए। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, समय प्रबंधन एवं निरंतर मेहनत को जीवन में आगे बढ़ने की सबसे बड़ी ताकत बताया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामसिंह नेहरा (चेयरमैन), जगपाल सिंह यादव (डायरेक्टर), अभय सिंह बडेसरा (वाइस अध्यक्ष नगर पालिका), लोकेश भाम्बू (डायरेक्टर), प्रदीप नेहरा (सचिव), डॉ. ममता चौधरी (ब्रांच हेड), ममता नेहरा (चेयरपर्सन), प्रमोदिनी दुबे (प्रिंसिपल), प्रमिला झाझरिया (प्रिंसिपल), जगबीर सिंह यादव (संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग), बलवीर नेहरा, राधेश्याम शर्मा, विनोद पायल, मामराज बाबल, सुरेश लाम्बा, डॉ. तेजपाल कटेवा, गुलजार खान, पूरणमल गजराज, ओमप्रकाश नेहरा, चिरंजी लाल कुमावत, सरदार राम मेघवाल, इंद्र कुमार सूरजगढ़िया, सुरेश भालोठिया, प्रदीप सोनी, सुरेश यादव एवं प्रवीण योगी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संतोष अड़ावतिया द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

पुलिस लाइन फतेहाबाद में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 325 से अधिक पुलिसकर्मियों ने करवाई जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन फतेहाबाद में एक नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) की पहल और मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें 325 से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर का शुभारंभ सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला (आईपीएस) ने किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों और चिकित्सकों से बातचीत कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और ऐसे आयोजनों को पुलिस बल के लिए बेहद लाभकारी बताया।पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि पुलिस बल की असली ताकत उसके अधिकारी और कर्मचारी होते हैं, जो दिन-रात आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्य करते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी विभाग की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ यह शिविर आयोजित किया गया ताकि पुलिस कर्मियों को समय पर स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ सलाह मिल सके। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं

स्वास्थ्य शिविर में गुरुग्राम स्थित मेदांता द मेडिसिटी के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एस.के. तनेजा और रेस्पिरेटरी विशेषज्ञ डॉ. प्रियांशु ने अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा सद्भावना मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल फतेहाबाद के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. मनोज चालिया और डॉ. शुभम महतानी ने भी पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में पुलिस कर्मियों के लिए छाती का एक्स-रे, ईसीजी, पीएफटी (फेफड़ों की जांच), बीएमडी टेस्ट (हड्डियों की घनत्व जांच) और ब्लड प्रेशर सहित कई महत्वपूर्ण जांच नि:शुल्क की गईं। जांच के बाद सभी पुलिस कर्मियों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार चिकित्सकीय सलाह और आवश्यक दवाइयां भी दी गईं।डॉक्टरों का किया सम्मान इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला ने शिविर में सेवाएं देने वाले डॉक्टरों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके सहयोग के लिए आभार जताया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे यह महसूस होता है कि विभाग और वरिष्ठ अधिकारी उनके स्वास्थ्य और कल्याण को लेकर संवेदनशील हैं। ऐसे प्रयास कर्मचारियों के मनोबल और कार्यक्षमता को मजबूत करते हैं।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि पुलिस कर्मी दिन-रात जनता की सेवा में लगे रहते हैं, इसलिए उनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। फतेहाबाद पुलिस अपने कर्मियों को परिवार का हिस्सा मानते हुए उनके स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है तथा भविष्य में भी इस तरह की पहल जारी रखी जाएंगी।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में जे-सैट स्कॉलरशिप प्रतियोगिता आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में 15 मार्च 2026 रविवार को जे-सैट स्कॉलरशिप प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई। प्रतियोगी परीक्षा में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जीवनी करियर अकादमी के एकेडमिक हेड दीपेश भारद्वाज ने बताया कि जे-सैट प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना और उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि जीवनी करियर अकादमी में जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी साप्ताहिक टेस्ट सीरीज के माध्यम से करवाई जाती है। विद्यालय के निदेशक रितेश मील ने कहा कि ऐसी प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। जीवनी एजुकेशन ग्रुप के चेयरपर्सन सावरमल मील ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है, इसलिए सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार की समसामयिक परीक्षाओं में भाग लेना चाहिए। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा और उप प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा शर्मा ने बताया कि जे-सैट प्रतियोगी परीक्षा में विभिन्न क्षेत्रों से विद्यार्थियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। परीक्षा संचालक सुनेंद्र कुमार व विशाल के निर्देशन में परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनता परेशान, डबल इंजन सरकारें बेखबर - गैस संकट पर आप नेता सुखविंदर सिंह गिल का हमला

रसोई गैस की कमी के चलते हर तरफ अफरा तफरी से आम आदमी व हर वर्ग परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चण्डीगढ़।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । 'ऊपर मोदी-नीचे नायब, हर रसोई से गैस गायब' वर्तमान परिपेक्ष्य में देश और हरियाणा में एलपीजी गैस की बढ़ती किल्लत से आम जनता का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। गैस की कमी के कारण होटल-ढाबों का कामकाज प्रभावित हो रहा है, छोटे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और हजारों लोगों के रोजगार पर संकट खड़ा हो गया है। अस्पतालों और स्कूलों में भी गैस की कमी के कारण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जनता की इसी गंभीर समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश संयुक्त सचिव सुखविंदर सिंह गिल ने गैस की किल्लत को तुरंत दूर करने की मांग उठाई। इस मौके पर सुशील गुप्ता ने कहा कि 'एलपीजी गैस की भारी किल्लत के कारण आम जनता, छोटे व्यापारी, होटल-ढाबा संचालक और कई संस्थान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। जनता को राहत देने के बजाय सरकार केवल दिखावे की राजनीति कर रही है।' उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही गैस की आपूर्ति को सुचारु नहीं किया तो आम आदमी पार्टी जनता के साथ मिलकर इस मुद्दे पर प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन करेगी और सीएम आवास का घेराव करेगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अगर हम अपनी गुट निरपेक्ष की विदेश नीति पालन करते तो ऐसे हालातो का सामना नहीं करना पड़ता। मोदी जी और केंद्र सरकार अमेरिका के दबाव में और एपस्टीन फाइलों के दबाव में आकर जानबूझकर जनता को प्रताड़ित कर रही है। एक तरफ कह रही है कि हमारे पास गैस का 60 दिनों का प्रयाप्त स्टॉक है और दूसरी तरफ देश और प्रदेश में केरोसिन आयल का स्टॉक जारी करके गैस की जगह केरोसिन तेल के प्रयोग को प्राथमिकता दे रही है।

गाँव मंघेड़ा में भव्य हनुमान मंदिर निर्माण का हुआ शुभारंभ, सांसद सुभाष बराला ने रखी नींव

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना क्षेत्र के गाँव मंघेड़ा में बजरंग बली के भव्य मंदिर के निर्माण हेतु नींव पत्थर रखकर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस पावन अवसर पर सांसद ने श्रद्धालुजनों, ग्रामवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पूजा-अर्चना कर बाबा बजरंग बली का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि धार्मिक स्थल समाज की आस्था और संस्कृति के प्रतीक होते हैं। उन्होंने कहा कि गाँव मंघेड़ा में बनने वाला यह भव्य हनुमान मंदिर न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। ऐसे पवित्र स्थल लोगों को धर्म, सेवा, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश देते हैं। सांसद ने कहा कि बाबा श्री बजरंग बली के आशीर्वाद से यह पवित्र स्थल आने वाली पीढ़ियों को भी धर्म और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कामना की कि यह मंदिर क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का माध्यम बने। इस दौरान सांसद सुभाष बराला ने गाँव के विकास कार्यों को गति देने के लिए ग्राम पंचायत को 5 लाख रुपये की ग्रांट देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण मजबूत हो। सरकार संत महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर मना रही है ताकि युवाओं को प्रेरणा मिले। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक, पंचायत प्रतिनिधि और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अहमदाबाद विमान हादसा: अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकर्ताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

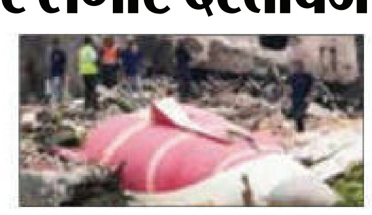

पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं।दावे के मुताबिक, विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकर्ताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकर्ताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

विपक्ष की मांग: पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलवक्त तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

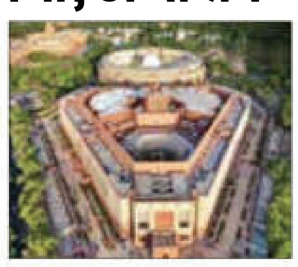

जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

राजस्व सेवाएं हुई डिजिटल : 'भू-मित्र' चैटबॉट से 24*7 मिलेगी सहायता

हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध चैटबॉट से नागरिकों को 24म7 मिलेगी सहायता

व्हाट्सऐप नंबर सेव कर मैसेज भेजते ही शुरू हो जाएगी सेवा

जमाबंदी, इंतकाल, मुआवजा पंजीकरण व डीड रजिस्ट्रेशन सहित कई सेवाएं होंगी उपलब्ध

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने नागरिकों को भूमि और राजस्व संबंधी सेवाएं सरल व सुलभ तरीके से उपलब्ध कराने के लिए 'भू-मित्र' नामक व्हाट्सऐप आधारित चैटबॉट लॉन्च किया है। यह चैटबॉट हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है और नागरिकों को 24 घंटे, वर्ष के 365 दिन सहायता प्रदान करेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि 'भू-मित्र' एक स्मार्ट और संवादात्मक (कन्वर्सेशनल) चैटबॉट है, जिसे सीधे व्हाट्सऐप के माध्यम से उपयोग किया जा सकता है। चूंकि व्हाट्सऐप हरियाणा के अधिकांश नागरिकों द्वारा पहले से ही व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए यह प्लेटफॉर्म राजस्व सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का एक सुविधाजनक माध्यम बनेगा। अब नागरिकों को छोटी-छोटी सेवाओं के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने या जटिल ऑनलाइन पोर्टलों का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे अपने स्मार्टफोन पर कुछ ही क्लिक के माध्यम से घर बैठे दिन के किसी भी समय आवश्यक सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। डीसी ने बताया कि 'भू-मित्र' चैटबॉट के माध्यम से नागरिक फिलहाल चार प्रमुख राजस्व सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। इनमें भूमि स्वामित्व और खेती से संबंधित रिकॉर्ड के लिए जमाबंदी की प्रति प्राप्त करना, भूमि स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित इंतकाल (म्यूटेशन) की प्रति, भूमि अधिग्रहण या अन्य मामलों से संबंधित मुआवजा पंजीकरण, तथा डीड रजिस्ट्रेशन से जुड़ी सहायता शामिल है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चैटबॉट के माध्यम से डीड टोकन जनरेशन, भूमि सीमांकन के लिए आवेदन, भूमि एवं राजस्व से जुड़ी शिकायत दर्ज करना, तथा शिकायत की स्थिति की रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। इन सभी सेवाओं को एक सरल संवादात्मक इंटरफेस के माध्यम से व्हाट्सऐप पर ही एक्सेस किया जा सकता है, जिससे आम नागरिकों के लिए इनका उपयोग और भी आसान हो गया है। डॉ. विवेक भारती ने बताया कि नागरिक व्हाट्सऐप नंबर 95933-00009 को अपने मोबाइल में सेव करके और उस पर मैसेज भेजकर 'भू-मित्र' सेवा का उपयोग शुरू कर सकते हैं। यह चैटबॉट चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा और हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में सहज संवाद की सुविधा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि व्हाट्सऐप जैसे परिचित और व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले प्लेटफॉर्म पर राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराकर विभाग का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी लाना, कार्यालयों के अनावश्यक दौरे कम करना और नागरिकों को वास्तविक समय में जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाना है। द्विभाषी इंटरफेस यह सुनिश्चित करेगा कि यह सेवा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों तक भी आसानी से पहुंच सके। डीसी ने बताया कि अगले सप्ताह से डीड रजिस्ट्रेशन सेवाओं से संबंधित सभी एसएमएस भी 'भू-मित्र' प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेजे जाएंगे, जिससे नागरिकों को समय-समय पर आवश्यक अपडेट और सूचनाएं सीधे चैटबॉट के जरिए मिलती रहेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में 'भू-मित्र' प्लेटफॉर्म में और भी सेवाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे डिजिटल गवर्नेंस को और मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी में जिलास्तरीय चुनाव की मांग, संविधान संशोधन पर उठा सवाल

झुंझुनूं के सामाजिक चिंतक बलवीर सिंह काला ने कहा–मनोनयन नहीं, लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हों चुनाव; सोसायटी संविधान के अनुरूप चले

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान की प्रदेश स्तरीय आम सभा में संविधान संशोधन को लेकर चर्चा के बीच जिलों में चुनाव करवाने की मांग तेज हो गई है।सोसायटी के सदस्यों ने स्पष्ट किया कि संगठन में लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए मनोनयन के बजाय चुनाव की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। सोसायटी की प्रदेश स्तरीय आम सभा 15 मार्च 2026 को जयपुर के झालाना संस्थान क्षेत्र में आयोजित की गई थी, जो बहुजन समाज के महान नेता कांशीराम के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित हुई। इस बैठक में प्रदेश महासचिव द्वारा सोसायटी के संविधान में संशोधन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव के अनुसार जिलों में चुनाव कराने के स्थान पर संभागीय सचिव द्वारा मनोनयन किए जाने की बात कही गई थी। इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए सोसायटी के सदस्य एवं संयोजक बलवीर सिंह काला तथा सह संयोजक मुकेश झाझड़िया सहित झुंझुनूं जिले के सदस्यों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया।सदस्यों का कहना है कि सोसायटी के संविधान की धारा 10 के अनुसार तदर्थ कार्यकारिणी के सदस्य तीन माह के भीतर संभागीय सचिव की उपस्थिति में लोकतांत्रिक पद्धति से नियमित कार्यकारिणी का चुनाव करवाने के लिए बाध्य हैं। ऐसे में जिलों में चुनाव न कराकर मनोनयन करना संविधान की भावना के विपरीत होगा।

सदस्यों ने सुझाव दिया कि जिलों में संभागीय सचिव की देखरेख में पहले आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाए। यदि आम सहमति नहीं बनती है तो भारत गणराज्य के संविधान द्वारा प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुसार चुनाव कराए जाएं। सदस्यों ने यह भी कहा कि संगठन की मजबूती के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया आवश्यक है। चुनाव के माध्यम से ही संगठन में पारदर्शिता और सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकती है। उन्होंने सोसायटी के प्रदेश नेतृत्व से आग्रह किया कि संगठन को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप संचालित किया जाए। इस संबंध में झुंझुनूं जिले के सोसायटी सदस्य एवं सामाजिक चिंतक बलवीर सिंह काला ने प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भेजकर जिलों में चुनाव कराने की संवैधानिक प्रतिबद्धता को लागू करने की मांग की है। सदस्यों का कहना है कि इससे संगठन मजबूत होगा और समाज के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्री रामनाथ अलग सेवा समिति का 13वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 अप्रैल को, परिचय सम्मेलन में 6 जोड़ों का हुआ पंजीयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे में श्री रामनाथ अलग सेवा समिति के तत्वावधान में 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले 13वें सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को कस्बे के आर्य पब्लिक स्कूल में परिचय एवं सगाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 6 जोड़ों का पंजीयन कर उनका औपचारिक परिचय कराया गया। कार्यक्रम के दौरान वर-वधू पक्ष की आपसी सहमति से सगाई की रस्म संपन्न करवाई गई। समिति पदाधिकारियों और समाज के वरिष्ठजनों ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति अध्यक्ष रामवतार वर्मा ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना, समाज में फिजूलखर्ची को रोकना और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि 26 अप्रैल सम्मेलन को नीमराना आर्य पब्लिक स्कूल में आयोजित होगा। सम्मेलन में सभी जोड़ों का विवाह वैदिक विधि-विधान और हिंदू परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया जाएगा। इस अवसर पर वर-वधू अनुज- पूजा, उमेश कुमार-पूनम, अनुज- कंगना, बंटी सैनी-आरती, देव कुमार-वर्षा, बबलू-कृपा का सगाई रस्म विद्वान पंडित मालीराम वैध के द्वारा एक दूसरे को अंगूठी पहनाई गई। इस अवसर पर श्री रामनाथ अलग सेवा समिति प्रदेश अध्यक्ष रामावतार वर्मा, पंडित मालीराम वैध, प्रोफेसर कल्याण सहाय सचिव विवाह समिति, प्रभु दयाल, एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, महावीर प्रसाद चरखिया, संजय यादव, रिंकू बड़सीवाल, सुनील मेघवाल, रमेश चंद जालावास, बाबूलाल चरखिया, शिक्षाविद राजवीर यादव, परमानंद सैनी, उप चेयरमैन हरि सिंह सैनी, प्रधानाचार्य रविंद्र यादव, संजय सैनी, अन्य ग्रामीण व महिला मौजूद रहे।

सूरजगढ़ में मान्यवर कांशीराम की जयंती मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

भारत मुक्ति मोर्चा एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति के संयुक्त तत्वावधान में सूरजगढ़ स्थित अंबेडकर पुस्तकालय में बहुजन समाज के महानायक मान्यवर कांशीराम की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर सीताराम कटारिया ने की। कार्यक्रम में सीताराम पंवार, ओमप्रकाश सेवदा और सोहनलाल बाकोलिया ने मान्यवर कांशीराम के जीवन चरित्र और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम जी ने अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के उत्थान और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया। उन्होंने युवाओं से उनके बताए मार्ग पर चलने और समाज को संगठित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राधेश्याम चिरानिया, छोटेलाल गजराज, गुलजारीलाल चावला, भागीरथ प्रसाद बाकोलिया, फूलचंद सुनिया, रोहिताश कुमार सुनिया, श्यामलाल सैनी, रतनलाल चेतीवाल, एडवोकेट रतनलाल, फूलचंद फुलवरिया, नत्थूराम कटारिया, ईश्वर प्रसाद अमरोहा, हुकमीचंद सोकरिया, बजरंगलाल सुनिया, लक्ष्मण बाकोलिया सहित कई लोगों ने कांशीराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सामाजिक समानता, शिक्षा और संगठन को मजबूत करने का संकल्प भी लिया।

ज्योतिष पौरोहित्य प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन योग,करण, नक्षत्र की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्वर्गीय पंडित नटवरलाल जोशी की स्मृति में भारत सरकार के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से श्री शंकराचार्य अभिनव शिक्षण समिति द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली आधारित कार्यशाला के अंतर्गत ज्योतिष-पौरोहित्य एवं पारंपरिक पंचांग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन रविवार को आचार्य डॉ महेंद्र जोशी ने योग,करण, नक्षत्र के विषय में जानकारी दी। यहां केसरीनंदन हनुमान मंदिर में आयोजित शिविर में बलराम शर्मा ने पंचांग के आधार पर पशुधन एवं वाहन से संबंधित मुहूर्त के बारे में बताया। इसके अलावा पंडित गोवर्धन नवांक नक्षत्र की गणना तथा ग्रहों की डिग्री के विषय में उपस्थित लोगों से रूबरू हुए। इस अवसर पर द्वारकाप्रसाद, मुरारीलाल मिश्र, पंडित गोवर्धन, बलराम शर्मा, सुभाष जोशी और पुरुषोत्तम मिश्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदू नववर्ष पर चिड़ावा में निकलेगी भव्य नगर परिक्रमा व शोभायात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर श्री हरिनाम प्रभात फेरी चिड़ावा के तत्वावधान में चतुर्थ वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 19 मार्च 2026, गुरुवार को प्रातः 5:30 बजे कल्याण प्रभु मंदिर चिड़ावा से संतों के सानिध्य में नगर परिक्रमा एवं विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन में महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी अर्जुन दास महाराज, महंत आकाश गिरी महाराज तथा महंत रामदास महाराज का विशेष सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। नगर परिक्रमा के दौरान भजन-कीर्तन, धर्मध्वजा और श्रद्धालुओं की भागीदारी से पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बनेगा। श्री हरिनाम प्रभात फेरी परिवार ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर हिंदू नववर्ष का स्वागत करने का आह्वान किया है। कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है तथा विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों द्वारा भी सहयोग दिया जा रहा है।

रैफल्स यूनिवर्सिटी में 10वीं सी. एल. अग्रवाल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स यूनिवर्सिटी, नीमराना के विश्वविद्यालय सभागार में 10वीं सी. एल. अग्रवाल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2026 का समापन भव्य आयोजन के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 24 विधि संस्थानों से आए विधि छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जस्टिस संदीप मेहता, न्यायमूर्ति, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय रहे। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति मेहता ने ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े उभरते कानूनी मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रभावी मूटिंग के लिए उपयोगी सुझाव भी साझा किए तथा अपने न्यायिक जीवन के अनुभवों को बताते हुए छात्रों को अपने वकालत और विश्लेषणात्मक कौशल को निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया।

97 वर्ष की आयु के बावजूद विशिष्ट अतिथि, जस्टिस वी. एस. दवे, पूर्व न्यायाधिपति, राजस्थान हाई कोर्ट ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया और विधि क्षेत्र से जुड़े अपने समृद्ध अनुभव साझा किए। जस्टिस डॉ. मीना वी. गोम्बर, चेयरपर्सन, गोम्बर एजुकेशन फाउंडेशन ने ऑनलाइन गेमिंग के सामाजिक प्रभाव, विशेषकर बच्चों और युवाओं पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। दिनेश चंद्र अग्रवाल, अध्यक्ष, राजस्थान एजुकेशन ट्रस्ट ने अपने पिता सी. एल. अग्रवाल के बारे में बताते हुए ट्रस्ट की स्थापना और मूट कोर्ट प्रतियोगिता के आयोजन के पीछे की प्रेरणा को साझा किया। प्रतियोगिता के परिणाम डॉ. मनीष कुमार अत्री, संयोजक, मूट कोर्ट समिति द्वारा घोषित किए गए। सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, नागपुर की श्रृंगार मिश्रा को बेस्ट स्टूडेंट एडवोकेट अवार्ड प्रदान किया गया, जबकि बेस्ट मेमोरियल अवार्ड हिमाचल प्रदेश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को मिला। प्रतियोगिता के विजेता एमिटी यूनिवर्सिटी, झारखंड रहे, जबकि गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।कुलपति प्रोफ. (डॉ.) आर. एस. सांगवान, रैफल्स विश्विद्यालय ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रणय कुमार आदित्य, डीन, रैफल्स लॉ स्कूल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने फतेहपुर में प्रदर्शन कर किया पुतला दहन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में फतेहपुर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा उपखण्ड कार्यालय पर प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर फ़तेहपुर विधायक हाकम अली, कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष सुनीता गठाला,फ़तेहपुर विधानसभा प्रभारी व जिला महासचिव डॉ.कुलदीप ढाका,प्रदेश प्रवक्ता आरसी.चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष झाबरमल धायल, पवन दाधीच,सुरेन्द्र माहिचा,महीपाल नेहरा,महासचिव अल्ताफ़ हुसैन,पीसीसी सदस्य महावीर मेव,चेयरमैन मुस्ताक नजमी, रामगढ़ पालिकाध्यक्ष एडवोकेट दुदाराम चौहला,शहर अध्यक्ष छोटेलाल माहिच,अध्यक्ष रूकसाना,रामनिवास सरपंच, प्रभुसिंह कारंगा,धर्मेंद् रगठाला, एड.आरीफ,रामस्वरूप माहिचा, भागीरथ कटारिया,फतेह मोहम्मद, आसिफ़ जलालसर, रामगढ़ नगर अध्यक्ष पवन सैनी, शहर अध्यक्ष जावेद, आकाश झाझड़ा, सहित कांग्रेस कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक हाकम अली ने कहा कि कांग्रेस विधानसभा व बाहर महंगाई को लेकर आमजन की समस्याओं को उठाती रहेगी,धरने को ज़िलाध्यक्ष सुनीता गठाला, डॉ.कुलदीप ढाका, आर.सी.चौधरी, झाबरमल धायल, महिपाल नेहरा ने सम्बोधित किया ।

एकादशी पर गौशाला में नव निर्मित यज्ञ शाला का उद्घाटन एवं श्रीकृष्ण मंदिर का हुआ भूमि पूजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

एकादशी के पावन अवसर पर सेक्टर-14 स्थित श्री कृष्ण माँ जलपा भवानी गौशाला समिति पक्षी विहार रोड, सेक्टर 14 ए के प्रांगण में नव निर्मित यज्ञ शाला एवं उनके समीप प्रस्तावित श्रीकृष्ण भगवान मंदिर के निर्माण हेतु विधिवत भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजित कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ।इस अवसर पर गौशाला समिति के सभी ट्रस्टी एवं कोर कमिटी के सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से ट्रस्टी कुमार लखोटिया जी, राजीव लोचन, अजय कुमार गुप्ता, बी.के. वर्मा, आर.के. वर्मा, नरेंद्र जिंदल, विजय सोनी, महेंद्र लड्ढा, नीरज अग्रवाल सहित समिति के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर गौसेवा और धार्मिक गतिविधियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समिति के सदस्यों ने बताया कि गौशाला परिसर में हवन कुंड एवं श्रीकृष्ण मंदिर के निर्माण से यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए एक पवित्र स्थल प्राप्त होगा।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश: स्काउट-गाइड की जागरूकता रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे में आयोजित स्थानीय संघ के प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर के दौरान स्काउट-गाइड छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। रैली का शुभारंभ आर्य पब्लिक स्कूल से हुआ, जिसमें स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे लगाए और लोगों को जागरूक किया। रैली आर्य पब्लिक स्कूल से शुरू होकर मुख्य मार्ग नीमराना, शनि महाराज मंदिर, गरवान सिद्ध मंदिर और होली टीबा होते हुए ज्ञानीनाथ आश्रम पहाड़ी तक पहुंची। इस दौरान विद्यार्थियों ने बेटियों की शिक्षा और सम्मान को लेकर लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। ज्ञानीनाथ आश्रम पहाड़ी पर कार्यक्रम के प्रभारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अनुशासन भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में विवेक, अनुशासन और सदाचार अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर पूर्व शिक्षाविद् राजबीर सिंह यादव, स्थानीय संघ नीमराना के सचिव रणवीर सिंह यादव सहित स्काउट-गाइड के मास्टर एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। शिविर में नीमराना के विभिन्न स्काउट- गाइड विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमराज जिंदल का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमराज जिंदल का रविवार को अग्रोहा जाते समय लक्ष्मणगढ़ में अग्रबंधुओं द्वारा उनके जन्मदिवस पर भव्य स्वागत होटल पारस में किया गया ! जिंदल के जन्मदिन की अवसर पर केक काटा गया व उन्हें भगवान अग्रसेन जी का दुपट्टा एवं गजरा पहनाकर अभिनंदन किया गया इस दौरान उन्होंने समाज विरोधी यूजीसी बिल का भरपूर विरोध करने की अपील की! इस दौरान राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।स्वागत के दौरान अग्रवाल समाज लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष विमल चिरानिया पूर्व अध्यक्ष सुरेश मोदी युवा अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला अग्रवाल समाज के मंत्री लखीप्रसाद बादुसरिया कोषाध्यक्ष मनोज जालान युवा अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जाजोदिया राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जयप्रकाश जाजोदिया कमल तोदी प्रमोद चिरानिया रवि जाजोदिया विनीत बजाज सम्मेलन के जिला मंत्री अंकित बजाज सुरेश बजाज इत्यादि अग्रबंधु उपस्थित थे जिंदल के साथ आए हुए शैल अग्रवाल एवं सुनील जिंदल को भी भगवान अग्रसेन जी का दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया !

राणासर निर्झर धाम आश्रम पर चल रहे 108 कुंडीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आज होगा समापन

निर्झर धाम आश्रम पर रविवार को अवध बिहारी दास जी महाराज की हुई चादर पोशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । नीमकाथाना के नजदीक राणासर गांव के पास निर्धर धाम आश्रम पर चल रहे 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ का समापन आज सोमवार को किया जाएगाद्य रविवार को निर्झर धाम आश्रम पर जहां जोड़ों के साथ यज्ञ में आहुतियां दी गई वहीं अवध बिहारी दास जी महाराज की चादरपोशी भी संतों के सानिध्य में की गई द्य यज्ञ के दौरान अवध बिहारी दास जी महाराज की चादरपोशी के बाद श्रद्धालुओं ने महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया द्य चादरपोशी के दौरान दाउ धाम के बलदेवाचार्य जी महाराज, रामरिछपाल दास जी महाराज त्रिवेणी धाम , कृष्ण दास जी महाराज निमोद , झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज , किशन दास महाराज, मनोहर शरण दास जी महाराज , माधव दास जी महाराज , भोला दास जी महाराज, रामस्वरूप दास जी महाराज ठीकरिया धाम सहित कई संतों के सानिध्य में अवध बिहारी दास जी महाराज की चादर पोशी हुई द्य यज्ञ प्रेमी मदन लाल भावरिया ने बनवारी लाल सेवदा गोहाटी वाले विप्र खांडल महासभा का भी साल ओढाकर सम्मान किया गया द्य वही कलोटा के सही राम जी भगत का भी साल ओढाकर कैप्टन रामनिवास ताखर द्वारा सम्मान किया गया द्य इस दौरान यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ने कहा की यज्ञशाला संस्कारों की पाठशाला है द्य भावरिया के अनुसार यज्ञ परिक्रमा से पापों का नाश भी होता है द्य यज्ञ के दौरान रविवार को भंडारे में हजारों के तादाद में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की द्य इस दौरान यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया, डॉ रामावतार गजराज, कैप्टन रामनिवास ताखर, महेंद्र सिंह तेतरवाल, बजरंग लाल पटेल, कथावाचक रणवीर भाई जी शेखावाटी वाले, विद्वान पंडित संजय शास्त्री, सांवरमल सेवदा, दौलत राम गोयल, राजेश जाखड़ युवा नेता नापाहाली, राणासर सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार जाखड़, शीशराम भावरिया, नवरंगपुरा सरपंच प्रतिनिधि ताराचंद भावरिया, महावीर यादव पूर्व सरपंच, सुरेंद्र सिंह शेखावत, रतनलाल शर्मा, लक्ष्मण सिंह कुड़ी पचलंगी सहित कई लोग मौजूद रहे

गुटखा मांगने पर भड़के व्यवसायी पिता-पुत्र, ग्राहक से मारपीट कर जातिसूचक अपमान का आरोप

कोर्ट के आदेश पर मंडावर थाने में एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओ में मामला दर्ज।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के गांधी चौक क्षेत्र में गुटखा खरीदने गए एक युवक के साथ कथित मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का मामला अब न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पुलिस तक पहुंच गया है। मंडावर थाने में एक प्रतिष्ठित गुटखा ब्रांड के व्यवसायी और उसके पुत्र के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच महवा वृत्ताधिकारी (सीओ) को सौंप दी है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार ऐदलपुर निवासी सुरेशचंद पुत्र हरिसिंह मीणा ने न्यायालय के जरिए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी अनुसार पीड़ित का आरोप है कि 16 फरवरी की शाम करीब छह बजे वह मंडावर कस्बे के गांधी चौक स्थित मामा गुटखा ब्रांड के व्यवसायी रमेशचंद गर्ग की दुकान पर गुटखा खरीदने पहुंचा था। वहां मौजूद व्यवसायी के पुत्र दिलीप गर्ग से उसने गुटखा मांगा, लेकिन उसने गुटखा देने से मना कर दिया। पीड़ित के अनुसार जब उसने कहा कि वह मामा गुटखा ब्रांड के डीलर हैं और फिर भी स्टॉक का बहाना क्यों बना रहे हैं, तो इसी बात पर दुकानदार पिता-पुत्र दोनों नाराज हो गए। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद दोनों ने ग्राहक के साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे अपमानित किया। पीड़ित का कहना है कि जब उसने इस व्यवहार का विरोध किया तो आरोपियों ने उसे धमकी दी कि वह उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। घटना के बाद पीड़ित ने स्थानीय पुलिस थाने और पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत भेजी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अंततः उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय के आदेश के बाद मंडावर थाना पुलिस ने व्यवसायी रमेशचंद गर्ग और उसके पुत्र दिलीप गर्ग के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच महवा सीओ मनोहरलाल मीणा को सौंपी गई है। शिकायत भेजी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अंततः उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय के आदेश के बाद मंडावर थाना पुलिस ने व्यवसायी रमेशचंद गर्ग और उसके पुत्र दिलीप गर्ग के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच महवा सीओ मनोहरलाल मीणा को सौंपी गई है।

अभिषेक शर्मा टी-20 वर्ल्डकप जीत के बाद वैष्णों देवी पहुंचे

● फोटोज शेयर कीं, फाइनल में खेली थी 52 रन का पारी

कटरा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में जाकर माता रानी के दर्शन किए। अभिषेक शर्मा हाल ही में भारतीय टीम के साथ टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।
टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक ने अपनी यात्रा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं और कैप्शन लिखा जय माता दी। फोटोज में वे सफेद कुर्ता-पायजामा पहने, माथे पर तिलक लगाए और हाथ जोड़कर दर्शन करते नजर आए।
फाइनल में 52 रन की पारी खेली- अभिषेक ने टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। फाइनल से पहले के मैचों में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था और लगातार 3 बार शून्य पर आउट हुए। हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्होंने शानदार वापसी की। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में उन्होंने महज 21 गेंदों में 52 रन की पारी खेली।
कोच-कप्तान ने मुझ पर भरोसा किया- भारत की जीत के बाद अभिषेक ने कहा, कोच और कप्तान ने मुझ पर भरोसा किया। मैं खुद भी खुद पर शक कर रहा था क्योंकि यह टूर्नामेंट मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने इससे पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। अपना पहला वर्ल्ड कप खेल रहा था।
अभिषेक नंबर-1 टी-20 बैटर- टॉप-10 टी-20 बैटर्स की लिस्ट में 4 भारतीय शामिल हैं। इनमें अभिषेक नंबर-1, ईशान नंबर-2, तिलक वर्मा नंबर-7 और सूर्यकुमार यादव नंबर-9 पर हैं। तिलक वर्मा को एक और सूर्या को दो स्थान का नुकसान हुआ।

जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी केकेआर की टीम में शामिल

● फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 से पहले साइन किया

हरारे (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल-2026 से पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपनी टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।
29 साल के इस तेज गेंदबाज ने टी-20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की ओर से 13 विकेट झटके थे। वे अपनी टीम के टॉप विकेट टेकर्स रहे हैं। जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 स्टेज तक पहुंची थी।
एक्स्ट्रा बाउंस से परेशान करते हैं मुजबानी- 6 फीट 8 इंच लंबे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के आने से कोलकाता का पेसर बॉलिंग अटैक मजबूत होगा। उन्हें टी-20 में उनकी बाउंस और विकेट लेने के लिए जाना जाता है। मुजरबानी अपनी लंबाई और तेज गति के कारण एक्स्ट्रा बाउंस हासिल करते हैं, जिससे बल्लेबाजों के लिए उन्हें खेलना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।
मुजरबानी ने 89 मैच में 106 विकेट झटके- जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज के पास टी20 इंटरनेशनल का अच्छा अनुभव है। उन्होंने 89 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 106 विकेट झटके हैं। उनका गेंदबाजी औसत करीब 21 का है।

गंभीर 2 आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच

● गांगुली बोले-असली परीक्षा 2027 वर्ल्ड कप में होगी, टेस्ट क्रिकेट में पिच का मोह छोड़ना होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर अपना दूसरा आईसीसी खिताब हासिल किया। इससे पहले उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती थी। हालांकि पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि गंभीर की असली परीक्षा 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में होगी।

● **साउथ अफ्रीका की कंडीशन में होगी असली परीक्षा-** गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों को चुनौती देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि गंभीर मौजूदा टीम के साथ वहां भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने फाइनल तक अजेय सफर तय किया था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। गंभीर ने 2011 में बतौर खिलाड़ी वर्ल्ड कप जीता था, अब उन पर बतौर कोच भारत को वनडे का विश्व विजेता बनाने का दबाव है।
● **रोहित-विराट के लिए आखिरी मौका हो सकता है 2027 वर्ल्ड कप-** 2027 का वनडे वर्ल्ड कप भारत के दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि यह इन दोनों दिग्गजों

के करियर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। ऐसे में गंभीर के कंधों पर इन दिग्गजों को एक यादगार विदाई दिलाने की जिम्मेदारी भी होगी।

टेस्ट क्रिकेट में पिच को लेकर गांगुली की सलाह

गांगुली ने रेड बॉल यानी टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन सुधारने को लेकर भी गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गंभीर को पिच के बारे में सोचना कम करना होगा। गांगुली ने कहा, उन्हें विकेट की चिंता अपने दिमाग से निकालनी होगी। इंग्लैंड सीरीज को ही देख लीजिए, वह पिच के बारे में कुछ नहीं कर सके और नतीजे सबके सामने हैं।
टर्नर्स की जरूरत नहीं- उन्होंने आगे कहा कि भारत को घरेलू मैदानों पर स्पिन की मददगार (टर्नर्स) पिचों पर खेलने की जरूरत नहीं है। अच्छी पिचें ही अच्छे नतीजे देंगी।

गंभीर को थोड़ा समय दें, वह बेहतरीन कोच हैं-गांगुली

सौरव गांगुली ने गंभीर का समर्थन करते हुए कहा कि वह एक बहुत अच्छे कोच हैं। उन्होंने याद दिलाया कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भी उन्होंने कहा था कि गंभीर को थोड़ा समय देने की जरूरत है। गांगुली के मुताबिक, व्हाइट बॉल कोच के रूप में वह बहुत अच्छे हैं, खासकर भारतीय परिस्थितियों में। उनके पास एक शानदार टीम है। आईपीएल 2026 के सीजन के बाद गंभीर का पूरा ध्यान टेस्ट और वनडे क्रिकेट पर रहेगा।

टी-20 को नया मॉडल दे रही इंडिया

● लगातार जीत, कड़े फैसले, प्रयोग, कई मैच विनर, इससे बनी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 क्रिकेट का स्वभाव हमेशा से अनिश्चित रहा है। यह वह फॉर्मेट है, जहां एक दिन की खराब बल्लेबाजी या एक ओवर की खराब गेंदबाजी पूरी कहानी बदल सकती है। यही वजह है कि टी-20 में लगातार दबदबा बनाना बेहद मुश्किल माना जाता है। लेकिन पिछले दो वर्षों में भारतीय टीम ने इस धारणा को चुनौती दी है। साल 2024 में भारत ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता था। उस जीत को कई विशेषज्ञों ने भारतीय टी20 क्रिकेट की नई शुरुआत बताया था। लेकिन असली कहानी दो साल बाद लिखी गई। मार्च 2026 में अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया। वर्ल्ड कप बचाने वाला और तीसरी बार ट्रॉफी जीतने वाला भारत पहला देश बना। लेकिन इन दो ट्रॉफियों से भी बड़ी कहानी यह है कि भारत ने पिछले दो वर्षों में टी20 क्रिकेट में एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जिसमें जीत किसी एक खिलाड़ी या एक मैच पर निर्भर नहीं रहती। यह टीम प्रयोग करती है, हर सीरीज में खिलाड़ियों को बदलती है, रणनीति में बदलाव करती है, लेकिन जीत का पैटर्न नहीं बदलता।

● **लगातार जीत का पैटर्न- दो वर्ल्ड कप के बीच सभी द्विपक्षीय सीरीज जीतीं-** भारत ने सभी 8 सीरीज और एशिया कप भी जीता। भारत ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप कोई मैच हारे बिना जीता था। यह लगातार जीत का पैटर्न उस टूर्नामेंट के बाद भी जारी रहा। पिछले वर्ल्ड कप से हाल ही में खत्म हुए वर्ल्ड कप के बीच भारत ने सभी आठों द्विपक्षीय सीरीज जीती। एशिया कप भी अपने नाम किया। इस दौरान टीम इंडिया ने 50 में से 41 टी-20 जीते हैं जबकि सिर्फ 7 हारे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के अलावा जिम्बाब्वे, श्रीलंका, बांग्लादेश जैसी छोटी टीमों को भी द्विपक्षीय सीरीज में धूल चटाई।
● **कड़े और स्मार्ट फैसले- मैनेजमेंट ने 'नाम' के बजाय 'इम्पैक्ट' को चुना-** साल 2024 की जीत के बाद जब रोहित-विराट जैसे दिग्गज हटे, तो लगा कि वैक्यूम पैदा होगा। लेकिन टीम मैनेजमेंट ने 'नाम' के बजाय 'फॉर्म' और 'इम्पैक्ट' को ज्यादा तरजीह दी। कप्तानी के दावेदार माने जा रहे गिल को 2026 वर्ल्ड कप टीम से बाहर रखना दर्शाता है कि टीम अब 'टैक्टिकल फिट' और 'स्ट्राइक रेट' को ज्यादा तवज्जो दे रही है। गिल की जगह सैमसन को लाना व इशान की फॉर्म को स्वीकार करना इसका सबूत है।

द्रविड़ ने रखी नींव और लक्ष्मण की टैलेंट पाइपलाइन

इस डॉमिनेंस की नींव राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण के समय रखी गई। गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव को एक सेट टीम मिली, जिसमें उन्होंने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे युवाओं को शानदार तरीके से फिट किया। द्रविड़ ने टीम में एक विनिंग टेम्पलेट सेट किया और सीनियर खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने की आजादी दी। लक्ष्मण ने एनसीए में बेंच स्ट्रेंथ तैयार की। अब भारत की 'बी' टीम भी इंटरनेशनल टीम को हराने का माद्दा रखती है। कोच गंभीर ने वर्ल्ड चैम्पियन बनने के बाद द्रविड़-लक्ष्मण को इस जीत का श्रेय भी दिया।

इंडियन विमेंस हॉकी टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर के फाइनल में

● इटली को 1-0 से हराया, अब खिताब के लिए इंग्लैंड से भिड़ंत

नईदिल्ली (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में भारतीय महिला टीम फाइनल में पहुंच गई है। हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने इटली को 1-0 से हराया।
मैच का एकमात्र गोल मनीषा चौहान ने 40वें मिनट में किया। फाइनल में भारत का सामना इंग्लैंड से होगा। मुकाबला शनिवार शाम 7-30 बजे खेला जाएगा।
शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच रही कांटे की टक्कर- मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही। पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमें मिडफील्ड में पोजीशन बनाने के लिए संघर्ष करती दिखीं।

● दूसरे क्वार्टर में भारत को मिले 3 पेनल्टी कॉर्नर, पर गोल नहीं हुआ
● दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की। मेजबान टीम ने मैदान के किनारों का इस्तेमाल करते हुए गेंद को आगे बढ़ाया और इटली के डी में लगातार हमले किए।
● 18वां मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत कौर ने सीधा शॉट लिया, जिसे इटली की गोलकीपर लूसिया इनेस कारुसो ने शानदार तरीके से बचा लिया।
● 27वां मिनट में भारत को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला। टीम ने अलग वेरिएशन अपनाते हुए गेंद कप्तान सलीमा टेटे को दी, लेकिन उनका शॉट इटली के डिफेंडर ने गोल लाइन पर रोक दिया।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों पर आधारित है कंगना की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता'

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने राजनीति में कुछ समय बिताने के बाद अब अपनी नई फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। कंगना की आगामी फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है।

कंगना का रोल

वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, कंगना इस फिल्म में एक नर्स का किरदार निभाएंगी। फिल्म मुंबई के कामा और अल्बलेस अस्पताल में 26/11 हमलों के दौरान हुई घटना पर आधारित है। कंगना की इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं।

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के बारे में

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में गिरिजा ओक भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।
'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों पर आधारित है, खासकर अस्पताल में हुई घटनाओं और वहां के लोगों की बहादुरी पर। यह फिल्म दिखाएगी कि कैसे अस्पताल के कर्मचारियों ने मुश्किल वक्त में हिम्मत दिखाई और स्थिति को संभाला।

मुंबई आतंकी हमला

26 नवंबर 2008 को आतंकवादियों ने कामा अस्पताल में घुसकर छह गार्डों की हत्या कर दी थी। मुख्य भवन के पीछे कई गोलियां चलाई गईं, जिससे कई कर्मचारियों घायल भी हुए। गोलियों की आवाज सुनकर अस्पताल के कर्मचारी सतर्क हो गए और उन्होंने अस्पताल के बाकी दरवाजे बंद कर दिए।
हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना?
कंगना अभिनेता आर. माधवन के साथ एक और फिल्म में काम करेंगी, जिसका निर्देशन ए.एल. विजय करेंगे। इसके अलावा, कंगना जल्द हॉलीवुड में 'ब्लेस्ड बी द इविल' फिल्म से डेब्यू कर सकती हैं।

भावनाओं में बहकर शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।' निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।

उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था। अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।'

पलाश मुछाल की फिल्म में इस टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला की एंट्री

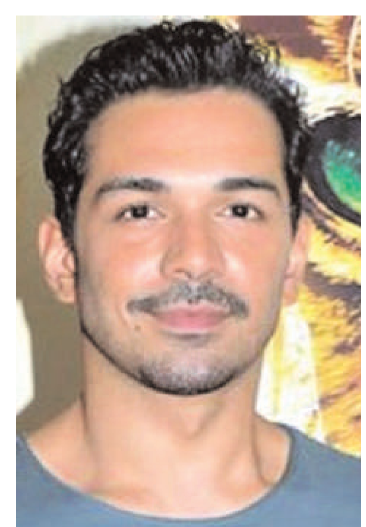

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपदे निभाएंगे। अब इस फिल्म में एक टीवी एक्टर भी शामिल हो गया है। इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए पलाश मुछाल ने ही जानकारी साझा की है। टीवी एक्टर के साथ एक फोटो भी पोस्ट की है। पलाश मुछाल की फिल्म में टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला एक अहम किरदार निभाएंगे। देर रात पलाश मुछाल ने अभिनव के साथ तस्वीर साझा की और फिल्म में उनका स्वागत किया। इस फिल्म में डेजी शाह भी नजर आएंगी।

कई फिल्में निर्देशित कर चुके हैं पलाश

पलाश मुछाल डायरेक्शन में आने से पहले बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में सक्रिय थे। फिर वह निर्देशक की भूमिका में आए। अब तक कई फिल्में बना चुके हैं। पलाश ने 'अर्ध' और 'काम चालू है' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

शादी टूटने का मामला भी चर्चा में रहा

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। इस साल की शुरुआत में स्मृति के दोस्त ने पलाश पर पैसों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पलाश ने भी मानहानि का मुकदमा ठोका है। इन सभी बातों के बीच वह अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े अपडेट लगातार साझा कर रहे हैं।

‘छाप तिलक’ दिल के करीब

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ का पहला गाना ‘छाप तिलक’ रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं कि अब सब ‘छाप तिलक’ सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, ‘फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। ‘छाप तिलक’ हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।’ यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक ‘छाप तिलक सब छीनी’ पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, ‘हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।’

पति को मेरे सेट पर आना बोरिंग लगता है, वो और मैं काम के लिए एक-दूसरे की इजाजत नहीं लेते

तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ की फिल्मों से की मगर बहुत जल्द ही बेबी और पिंक जैसी फिल्में करके उन्होंने जता दिया कि सिनेमा को लेकर उनकी चॉइस अर्थपूर्ण है। आगे चलकर उन्होंने नाम शबाना, सांड की आंख, मनमर्जियां, थप्पड़ जैसी कई फिल्मों में महिला मुद्दों को मुखर किया।

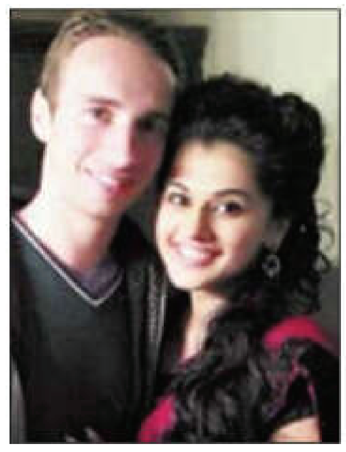

आपने अपने सिनेमा के जरिए लड़कियों के कन्सेंट, वुमन एम्पावरमेंट, घरेलू हिंसा और बलात्कार जैसे कई मुद्दों को छुआ है, अब ऐसा कौन-सा मुद्दा है, जिसे आप अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं?

ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कोई खास मुद्दा मेरे जहन में फिलहाल है नहीं। मेरे पास दो -तीन स्क्रिप्ट हैं, जो किसी धारणा को डायरेक्टली और किसी को इनडायरेक्टली इंगित करती हैं। हमेशा से कहानियों एक नाता सीख से रहा है। बचपन से यही सीखा है, तो तो मेरी एंटरटेनमेंट से भी यही अपेक्षा होती है। हालांकि कई बार सिनेमा महज मनोरंजन के लिए भी बनाया जाता है और मुझे लगता है, वो भी देखा जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अस्सी चल जाए और मैं अपने मिजाज का सिनेमा बना सकूं।

आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलिवुड में हीरोइन्स आसानी से रीप्लेस हो जाती हैं?

जी हां बिलकुल हो जाती हैं। मुझे लगता है हीरोइन ही क्यों? कोई भी कलाकार रिप्लेस किया जा सकता है। हमें कभी भी खुद को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए कि हम रिप्लेस नहीं हो सकते। आसानी और मुश्किल का जो भेद है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपने अगर अपनी मजबूत जगह बना ली है, तो आपको हिलाना मुश्किल हो सकता है, वो हम एक्टर्स के हाथ में होता है कि हम किस रंग के कलाकारों के साथ खड़े होते हैं, हम किन चरित्रों के लिए जाने जाते हैं।

एक निर्माता बनने पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया है?

मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है और अभी भी कर रही हूं। ऐसा होता है न कि आपके पास ये कहानी है, तो कोई बड़ा नाम लेकर आइए। बड़े नाम के साथ बड़े खर्चे भी आते हैं, मगर जिस तरह की फिल्में मैं चुनती हूं, उतना उन्हें मिलता नहीं है। इतना बड़ा स्टार इस फिल्म में क्यों आएगा? क्योंकि इसकी तो छोटे बजट की फिल्म है।ये सब उन्हीं कलाकारों को सूट करती हैं, जिनसे आप बड़े स्टार वाली उम्मीदें लेकर नहीं घुसते।

आपके पति (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो) एक अलग क्षेत्र से हैं, आप लोग एक -दूसरे के प्रोफेशन में कितनी रुचि लेते हैं?

हम जब इंसान के रूप में एक -दूसरे में रुचि लेते हैं, तो हमारा प्रोफेशन तो हमारी जिंदगी का हिस्सा है, तो हम उसमें भी इंटरेस्ट लेते हैं, मगर इतनी भी नहीं कि हम दिन-रात उसी की चर्चा करें। मैं उनके मैच देखती हूं, मुझे जानकारी होती है कि वे किसे कोच कर रहे हैं। अब वो फुलटाइम प्लेयर नहीं हैं। वे कई बार मेरे साथ आउटडोर लोकेशन पर होते हैं, हालांकि वो सेट पर कभी नहीं आते। उन्हें सेट पर आना बहुत बोरिंग लगता है, मगर मेरे साथ समय बिताने के लिए वे मेरे साथ होते हैं। हम दोनों का एक बेहद अच्छा तरीका है, एक-दूसरे के साथ ग्रो करने का। हमें अपने प्रोफेशन को लेकर एक-दूसरे से परमिशन नहीं मांगनी होती। अपने काम के फैसले हमारे अपने होते हैं, मगर अहम उन फैसलों का साथ देते हैं। अच्छा ही है कि हम एक ही क्षेत्र से नहीं हैं।

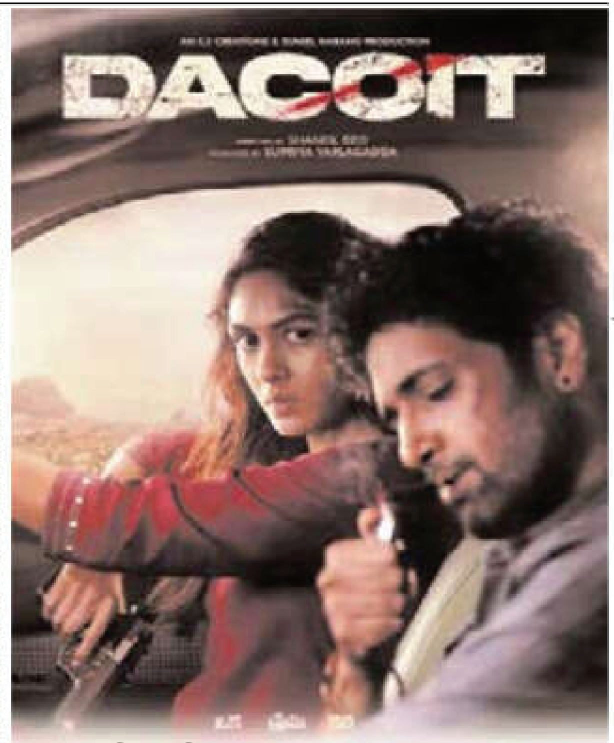

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म ‘डकैत’ की बदली रिलीज डेट

फिल्म ‘धुरंधर 2’ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की ‘डकैत’ भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में ‘धुरंधर 2’ और ‘डकैत’ की भिड़ंत नहीं होगी। ‘डकैत’ के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब ‘डकैत’ कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म ‘डकैत’ के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म ‘डकैत’ से पहले यश अभिनीत ‘टॉक्सिक’ की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले ‘टॉक्सिक’ भी ‘धुरंधर 2’ के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, ‘टॉक्सिक’ अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत ‘धुरंधर 2’ से ‘टॉक्सिक’ और ‘डकैत’ के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, ‘गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में’। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवन, परिवार को समय देंगे

फिल्म ‘बॉर्डर 2’ में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई ‘बॉर्डर 2’ में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले ‘बॉर्डर 2’ की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

‘ओह माय गॉड 3’ का हिस्सा नहीं होंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार ‘ओह माय गॉड’ की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ‘ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम ‘ओह माय गॉडेस’ बताया जा रहा है। पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी ‘मर्दानी 3’ में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म ‘किंग’ में नजर आ सकती हैं।

....बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा है

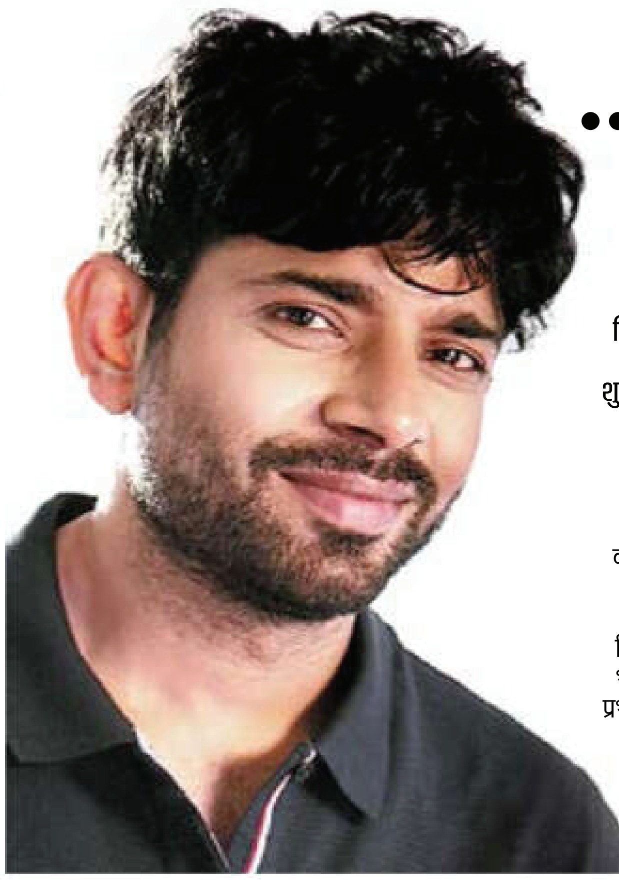

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, ‘मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।’

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज ‘हैलो बच्चों’ शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, ‘जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था। ’ वह आगे कहते हैं, ‘मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।’

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, ‘असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनीं

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, ‘यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।’

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, ‘देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, ‘उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।’ ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।’

ईरान ने दुबई को घोस्ट टाउन बना दिया! 'सबसे सुरक्षित' शहर छोड़ भागे अमीर, पीछे छूटे बेबस मजदूर

दुबई , एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग के कारण दुबई में अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। पहले दुनिया के सबसे सुरक्षित और चमकदार शहरों में शुमार दुबई अब लगभग खाली नजर आ रहा है। विदेशी निवासी और पर्यटक बड़े पैमाने पर शहर छोड़ चुके हैं, जबकि बीचेस, पार्टी पूल, बीच क्लब और रेस्तरां सुनसान पड़े हैं। केवल स्थानीय मजदूर वर्ग ही बचा हुआ है जो अब खाली जगहों पर काम कर रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, शहर की यह स्थिति ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों के हमलों से पैदा हुई है।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद, ईरान ने पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यूएई (अबू धाबी और अन्य इलाकों) में अमेरिकी बेस होने के कारण, ईरान ने यहां सैकड़ों ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इसी तनाव ने दुबई की चकाचौंध को खौफ में बदल दिया है। दुबई से सामने आ रहे वीडियो में चकाचौंध से भरा रहने वाला यह शहर किसी घोस्ट टाउन जैसा दिख रहा है।

ईरान के हमलों का असर: 1700 मिसाइल-ड्रोन, लेकिन 90% रोक दिए गए ईरान ने अमेरिकी-इजराइली हमलों के जवाब में पिछले दो हफ्तों में लगभग 1700 मिसाइलें और ड्रोन दुबई समेत यूएई पर दागे। यूएई की एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब 90% हमलों को रोक लिया, लेकिन गिरते मलबे (डेब्री) ने बड़ा नुकसान पहुंचाया। बुर्ज अल अरब होटल, फेयरमॉन्ट द पाम, दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर, दुबई एयरपोर्ट और कई स्काईस्क्रेपर्स को नुकसान पहुंचा। एयरपोर्ट पर दो ड्रोनों के गिरने से चार लोग घायल हुए और उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गईं। दुबई मीडिया ऑफिस ने शुरुआत में कोई घटना नहीं हुई कहा, लेकिन तस्वीरें और रिपोर्ट्स ने सच्चाई उजागर कर दी।

शहर खाली क्यों? एक्सपैट्स ने सामान बांधा, पालतू जानवर सड़कों पर छोड़े : द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में रहने वाले हजारों अमीर विदेशी निवासी और पर्यटक शहर छोड़ चुके हैं। स्कूलों की स्प्रिंग ब्रेक शुरू होने के बावजूद पश्चिमी बच्चे नदारद हैं। बीच क्लबों और रेस्तरां में सन लाउंजर्स खाली पड़े हैं, जबकि पहले यहां इन्फ्लुएंसर्स और टूरिस्टों की भीड़ रहती थी। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कई विदेशी निवासियों ने कहा कि जन-जीवन लगभग सामान्य है, लेकिन फोन पर शेल्टर अलर्ट, आसमान में फ्लैश और गिरते डेब्री की आग सब कुछ बदल देती है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, पश्चिमी देशों के पेशेवर और रईस लोग चार्टर्ड फ्लाइट्स के जरिए भारी रकम चुकाकर भाग रहे हैं। रातों-रात शहर छोड़ने की जल्दबाजी में कई लोग अपने पालतू जानवरों तक को सड़कों पर लावारिस छोड़ गए हैं। एयरपोर्ट पर उड़ानें सीमित हैं, जिससे हजारों लोग फंस गए थे। अमेरिका ने अपने नागरिकों को निकालने के लिए चार्टर फ्लाइट्स शुरू की हैं। टूरिज्म धड़ाम, जुमेराह बीच वीरान 'गल्फ टाइम्स' के अनुसार मध्य पूर्व में इस युद्ध के कारण पर्यटन उद्योग को रोजाना करीब 600 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है। जुमेराह बीच रेजीडेंस (छ्व्क्क), रेस्टोरेंट्स और दुबई मॉल जैसे इलाके, जहां पैर रखने की जगह नहीं होती थी, आज लगभग सुनसान पड़े हैं। दुनिया के सबसे बड़े फेरिस व्हील 'ऐन दुबई' के पहिए भी थम गए हैं। इस पूरी स्थिति का सबसे डरावना पहलू यह है कि जहां पैसे वाले लोग दुबई छोड़कर निकल गए, वहीं दक्षिण एशियाई देशों (भारत, पाकिस्तान, नेपाल आदि) के लाखों ब्लू-कॉलर वर्कर, टैक्सी ड्राइवर और होटल कर्मचारी यहीं फंस गए हैं। काम ठप होने से इनकी सैलरी रुक गई है और फ्लाइट्स का किराया तीन गुना तक बढ़ जाने के कारण इनके लिए स्वदेश लौटना नामुमकिन सा हो गया है। राहत की बात यह है कि इस अस्थिरता के बीच भारत सरकार और एयरलाइंस के प्रयासों से 1 से 7 मार्च के बीच 52,000 से अधिक भारतीय नागरिक यूएई और खाड़ी देशों से सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। यूएई सरकार ने एयर डिफेंस को मजबूत किया और नागरिकों को आश्वासन दिया। लेकिन पुलिस ने चेतावनी दी है- हमले की तस्वीरें या वीडियो शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अब तक 21 लोगों पर अफवाह फैलाने का केस दर्ज किया जा चुका है, जिनमें एक 60 वर्षीय ब्रिटिश टूरिस्ट भी शामिल है। ब्रिटिश एंबेसी ने नागरिकों को सावधान किया है।

खार्ग द्वीप पर अमेरिका का हमला: ट्रंप का दावा- ईरान के सभी सैन्य ठिकाने तबाह, होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े।

खार्ग द्वीप क्यों है इतना अहम : खार्ग द्वीप ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। यहां से ईरान का बड़ा हिस्सा तेल दुनिया के अलग-अलग देशों को भेजा जाता है। यही कारण है कि इस द्वीप को ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने तेल ढांचे को क्यों नहीं निशाना बनाया राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास इतनी

ताकत है कि वह द्वीप के पूरे तेल ढांचे को भी नष्ट कर सकती थी। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला लिया। ट्रंप के अनुसार यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित होने से बचाने और मानवीय कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान या कोई अन्य देश होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालता है तो अमेरिका अपना फैसला बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका द्वीप के तेल ढांचे को भी निशाना बनाने पर विचार करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल से लेकर अब तक उन्होंने अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली और घातक सैन्य ताकत बना दिया है। उनका कहना है कि ईरान के पास अमेरिका के हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकेगा। उन्होंने ईरानी सेना और उससे जुड़े समूहों से हथियार डालने की अपील भी की। ट्रंप के अनुसार अगर ईरान संघर्ष को जारी रखता है तो उसके लिए हालात और कठिन हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तानी पुलिस ने मार गिराए छह आतंकवादी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस के आतंकवाद विरोधी विभाग ने शुक्रवार देर रात अशांत उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान छह आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवत जिले के शगाई क्षेत्र में चलाया गया था। उन्होंने बताया कि जब सीटीडी टीम आतंकवादियों के ठिकाने के पास पहुंची तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। उन्होंने आगे बताया कि गोलीबारी एक घंटे तक चली और छह आतंकवादियों के मारे जाने के साथ समाप्त हुई। प्रवक्ता ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद उनके मददगारों और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आतंकवादियों के पास से मैगजीन और गोला-बारूद सहित चार क्लाश्निकोव राइफलें, दो 9 मिमी पिस्तौल, आठ हथगोले और एक विस्फोटक उपकरण बरामद किया गया।

ईरान-इजरायल जंग के बीच उत्तर कोरिया ने दागीं 10 बैलिस्टिक मिसाइलें! अलर्ट हुए पड़ोसी देश

प्योंगयांग, एजेंसी। एक तरफ मिडिल-ईस्ट में 15 दिनों से जंग जारी है, तो वहीं दूसरी तरफ नॉर्थ कोरिया भी किसी युद्ध की तैयारी में नजर आ रहा है. नॉर्थ कोरिया ने शनिवार को अपने पूर्वी तट से समुद्र की ओर मिसाइलें दाग दी हैं. साउथ कोरियाई सेना और जापान सरकार ने 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागने की पुष्टि की है. इससे पहले उत्तर कोरिया ने 27 जनवरी को पूर्वी सागर की ओर कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं. साउथ कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने बताया कि उसने दोपहर करीब 1:20 बजे नॉर्थ कोरिया के सुनान इलाके से दागी गई मिसाइलों का पता चला. ये इस साल नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई तीसरी बैलिस्टिक मिसाइल थी. जेसीएस ने कहा, 'हमारी सेना पूरी तरह से तैयार है और अमेरिका और जापान के साथ नॉर्थ कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइल से जुड़ी जानकारी साझा कर रही है. साथ ही, अतिरिक्त मिसाइलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.' जापान सरकार ने भी इस घटना पर कड़ी नजर रखी है. जापान की ओर से भी कहा गया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई चीज बैलिस्टिक मिसाइल हो सकती है. जापान के कोस्ट गार्ड ने बताया कि नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई ये संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें पहले ही समुद्र में गिर चुकी है. नॉर्थ कोरिया का ये ताजा परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब साउथ कोरिया और अमेरिका अपना वार्षिक वसंत सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' कर रहे हैं. नॉर्थ कोरिया अक्सर इन सैन्य अभ्यासों का विरोध करता है और इन्हें युद्ध की तैयारी मानता है. ऐसे में मिसाइल लॉन्च अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास के जवाब में अपनी सैन्य ताकत दिखाने की एक कोशिश हो सकती है।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए 'फर्जी लूट' का खेल, FBI ने 11 भारतीयों को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा धोखाधड़ी और साजिश रचने के गंभीर आरोप लगे हैं और इन्हें एफबीआई ने गिरफ्तार किया है. अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, इन लोगों ने 'यू-वीज़ा' और ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए दुकानों में 'फर्जी डकैती' की साजिश रची थी. आरोपियों ने अमेरिका के विभिन्न राज्यों (मैसाचुसेट्स, केंटकी, ओहायो) में कन्वीनिएंस स्टोर और शराब की दुकानों पर फर्जी हथियारबंद डकैतियां करवाईं. इसका मकसद स्टोर पर मौजूद क्लर्कों को खुद को 'हिंसक अपराध का शिकार' दिखाने का मौका देना था. अमेरिका के कानून के मुताबिक, 'यू-वीज़ा' उन लोगों को मिलता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों और जांच में पुलिस की मदद करें. यह वीजा आगे चलकर ग्रीन कार्ड पाने का रास्ता साफ कर देता है. चार्जशीट के मुताबिक, डकैती के दौरान एक फर्जी 'लुटेरा' दुकान में घुसकर क्लर्क या मालिक को हथियार दिखाकर धमकाता और कैश रजिस्टर से पैसे लेकर फरार हो जाता था।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच कतर में अस्थायी निकासी जारी, निर्देशों का पालन करने की सलाह

दोहा , एजेंसी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को देखते हुए कतर के गृह मंत्रालय ने शनिवार को बड़ी जानकारी दी। कतर के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रालय स्पष्ट करता है कि पहले घोषित किए गए अस्थायी एहतियाती निकासी उपाय केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों के उन निवासियों पर लागू होते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय चेतावनी प्रणाली के माध्यम से जानकारी हुई है। प्रभावित लोगों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए गए हैं।

जेडी वेंस का दावा- ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका का सैन्य अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका एक सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के नाम से जाना जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से विदेशों में तैनात सैनिकों के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया। रॉकी माउंट में एक संबोधन के दौरान जेडी वेंस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना है। उन्होंने दोहराया कि यह राष्ट्रपति की कही हुई बात है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान पर हमले की बताई वेंस ने वजह वेंस ने यह भी कहा कि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की थीं, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने इस सिद्धांत को सरल और सीधा बताते हुए कहा कि हर राष्ट्रपति ने इस पर विश्वास व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। जेडी वेंस ने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों के जोखिमों को भी स्वीकार किया और लोगों से प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी कैरोलिना के कई लोग इस समय खतरे में हैं। उन्होंने सभी से, न केवल उत्तरी कैरोलिना के लोगों के लिए, बल्कि हमारे सभी 50 राज्यों के उन लोगों के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया, जो वर्दी पहनते हैं और अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को उन लोगों का समर्थन दिखाना चाहिए, जो अमेरिका की सुरक्षा, संरक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने को तैयार हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को बताया कि उन्हें लगता है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं, लेकिन घायल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ईरान को 'तबाह' कर रहा है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की तबीयत बिगड़ी

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बोल्सोनारो को निमोनिया हो गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल ने शुक्रवार को जानकारी दी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार 70 वर्षीय बोल्सोनारो को तेज बुखार, पसीना, ठंड लगना और ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसी समस्याएं हो रही थीं। जांच में पता चला कि उन्हें ब्रोंकोनिमोनिया है, जो निमोनिया का एक प्रकार होता है और आमतौर पर बैक्टीरिया के कारण होता है।

बोल्सोनारो के स्वास्थ्य को लेकर उनके डॉक्टर ब्रासील कायाडो ने पत्रकारों से कहा कि 70 साल से अधिक उम्र के लोगों में निमोनिया हमेशा गंभीर माना जाता है। उन्होंने बताया कि अगर बैक्टीरिया खून में पहुंच जाए तो यह सेप्टीसीमिया (खून में संक्रमण) में बदल सकता है, जिससे स्थिति और खतरनाक हो सकती है।

जेल से अस्पताल ले जाया गया : इससे पहले उनके बड़े बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनके पिता को जेल से अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह बोल्सोनारो को ठंड लग रही थी और उल्टी भी हो रही थी। फ्लावियो ने लोगों से अपील करते हुए लिखा कि उनके पिता के लिए प्रार्थना करें ताकि बीमारी ज्यादा गंभीर न हो।

बोल्सोनारो क्यों हैं जेल में : दरअसल, जेयर बोल्सोनारो इस समय 27 साल की सजा काट रहे हैं। पिछले साल ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के जजों के एक पैनल ने उन्हें 2022 के चुनाव के बाद सत्ता पलटने की साजिश में दोषी ठहराया था। उन पर आरोप है कि चुनाव हारने के बाद उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गिराने की कोशिश की। इस मामले की सुनवाई सर्वोच्च संघीय न्यायालय में हुई थी।

घर में सजा काटने की मांग : बोल्सोनारो के परिवार वाले लगातार मांग कर रहे हैं कि उन्हें जेल की बजाय घर में रहकर सजा काटने की अनुमति दी जाए। परिवार का कहना है कि जेल में उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल रहा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन मांगों को खारिज कर दिया है। उनके बेटे ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि सिस्टम उनके पिता को खत्म करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अदालत ने इन आरोपों को गलत बताया है।

पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती : गौरतलब है कि बोल्सोनारो पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। 2018 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में उन पर चाकू से हमला हुआ था, जिसके बाद से उन्हें कई बार सर्जरी और इलाज कराना पड़ा। इस साल जनवरी में भी उन्हें बिस्तर से गिरने के बाद दिमाग की जांच के लिए इसी अस्पताल में लाया गया था। इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी ध्यान मिला था। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्राजील पर टैरिफ लगाने का फैसला किया था और कहा था कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रही न्यायिक कार्रवाई विच हंट यानी राजनीतिक बदले की कार्रवाई जैसी है। हालांकि बाद में इन टैरिफ में से कई हटा दिए गए।

पहले रोका और अब पूरी दुनिया से रूस से तेल खरीदने की भीख मांग रहा अमेरिका: ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को रूसी तेल पर अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन अब दुनिया भर के देशों से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है, जबकि पहले उसने रूस से तेल न खरीदने का दबाव डाला था। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, अराघची ने कहा, 'अमेरिका ने भारत को रूस से तेल आयात बंद करने के लिए धमकाने में महीनों बिताए। ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध के बाद, व्हाइट हाउस अब दुनिया से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की भीख मांग रहा है।'

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की आलोचना की : ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देश बदले में रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अराघची ने कहा, 'यूरोप ने सोचा था कि ईरान पर अवैध युद्ध का समर्थन करने से उन्हें रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन मिल जाएगा। यह बहुत ही दयनीय है।' इस बीच, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के झंडे वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (स्क्क्न) वाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब का तेल ले जा रहा एक कच्चा तेल टैंकर शनिवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है, जो 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा था।

ईरान ने भारत के जहाजों को होर्मुज से निकलने की दी अनुमति : इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देगा? तो फथाली ने कहा, 'हां। क्योंकि भारत और हम दोस्त हैं। मुझे लगता है कि दो या तीन घंटे बाद ऐसा हो जाएगा। हमारा मानना है कि ईरान और भारत दोस्त हैं। हमारे साझा हित हैं, हमारा साझा भाग्य है। उन्होंने कहा, 'भारत के लोगों का दुख हमारा दुख है और हमारा दुख भारत के लोगों का दुख है। और इसी वजह से, भारत सरकार हमारी मदद करती है, और हमें भारत सरकार की मदद करनी चाहिए, क्योंकि हमारा भविष्य और हमारे हित एक ही हैं।'

चीन की 'समुद्री दीवार'! ताइवान के पास हजारों जहाजों का जमावड़ा

बीजिंग, एजेंसी। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। हजारों चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाएं पूर्वी चीन सागर में ज्यामितीय आकृतियों में एकत्रित हो रही हैं। विशेषज्ञों का मानना ??है कि यह समन्वित कार्रवाई बीजिंग की संभावित क्षेत्रीय संकट या ताइवान के इर्द-गिर्द केंद्रित संभावित संघर्ष की तैयारियों का हिस्सा है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं द्वारा विश्लेषण किए गए जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि लगभग 1,300 से 2,000 जहाजों ने ताइवान से लगभग 300 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में कम से कम दो मौकों पर लंबी समानांतर रेखाएं बनाईं। पहली घटना 25 दिसंबर, 2025 को और दूसरी 11 जनवरी, 2026 को हुई। स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) संकेतों के माध्यम से पता लगाए गए इन नौकाओं ने लगभग 30 घंटे तक तूफानी हवाओं के बीच अपनी स्थिति बनाए रखी। बताया जाता है कि चीनी नौकाएं ऐसी परिस्थितियों में परिचालन कर रही थीं, जिनके कारण दिसंबर में दक्षिण कोरियाई नौकाओं को बंदरगाह लौटना पड़ा था, और बाद में वे तितर-बितर हो गईं। ये समुद्री नौकाओं का समूह 2016 की एक पिछली घटना से कहीं अधिक बड़ा था, जिसमें लगभग 200 से 300 चीनी नौकाएं जापान-प्रशासित सेनकाकू द्वीप समूह के पास इकट्ठा हुई थीं, जिन पर चीन अपना दावा करता है। यह जानकारी जापानी समाचार आउटलेट निक्केई ने दी। क्यूशू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध की प्रोफेसर और चीनी समुद्री नीति की विशेषज्ञ चिसाको मासुओ ने निक्केई को बताया मैंने पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर नौकाओं के जमावड़े के बारे में नहीं सुना। मासुओ ने आगे कहा इसे जापान और ताइवान पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा सकता है। उपग्रह विश्लेषण फर्म इंजीनीस्पेस के मुख्य परिचालन अधिकारी जेसन वांग ने कहा कि यह समुद्री नौकाओं का समूह तुरंत ध्यान आकर्षित कर गया। एएफपी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे कुछ गड़बड़ लग रही थी क्योंकि प्रकृति में सीधी रेखाएं बहुत कम ही दिखाई देती हैं।

अमेरिका में एसआईआर जैसा कानून: वोट करने के लिए देना होगा नागरिकता का सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार, ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए आलोचकों के निशाने पर है। इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर भी ट्रंप प्रशासन घिरा हुआ है और इसकी वजह है सेव कानून ('सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट')। इस कानून के तहत अमेरिका में भी अब लोगों को मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के लिए अपनी नागरिकता का सबूत देना होगा। यह भारत की एसआईआर प्रक्रिया जैसा ही है। यही वजह है कि इसकी तुलना एसआईआर से की जा रही है।

क्या है सेव एक्ट : राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वे अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं। अभी अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया एक संघीय प्रणाली है जिसमें संविधान प्रत्येक राज्य को अपने-अपने तरीके से चुनाव कराने की छूट देता है। हालांकि अमेरिकी संविधान में प्रावधान है कि अमेरिकी कांग्रेस चुनाव नियमों में बदलाव कर सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप अपने विधायी बहुमत के दम पर चुनाव प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के बाद रिपब्लिकन पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहेगा।

मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता प्रमाण देना जरूरी होगा : प्रस्तावित कानून में मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता के प्रमाण के रूप में अपडेट ड्राइवर लाइसेंस, एक वैध अमेरिकी पासपोर्ट, या जन्म प्रमाण के साथ कोई अन्य वैध सरकारी फोटो आईडी या नागरिकता का प्रमाण दिखाना अनिवार्य होगा। अभी ईमेल के जरिए भी मतदाता पंजीकरण हो सकता है, लेकिन नए कानून के तहत लोगों को व्यक्तिगत तौर पर चुनाव अधिकारी कार्यालय जाकर पंजीकरण कराना होगा और अपने वैध दस्तावेज पेश करने होंगे।

साथ ही अमेरिका के हर राज्यों को अपने मतदाताओं की सूची अमेरिकी सुरक्षा विभाग के पास जमा करनी होगी। अमेरिकी सुरक्षा विभाग अपने डेटाबेस से इस मतदाता सूची का मिलान करेगा। साफ है कि इस प्रक्रिया से अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया केंद्रीकृत होगी।

जल्द सीनेट में पेश होगा विधेयक : 'सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट' (सेव एक्ट) फरवरी में प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित किया गया था और अब यह जल्द सीनेट में पेश किया जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सहयोगियों इसे पारित करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वर्तमान में सीनेट में रिपब्लिकन का बहुमत है, 53-47, और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट के 213 के मुकाबले 219 सीटें हैं। हालांकि कई रिपब्लिकन सांसद भी इसके विरोध में हैं।

लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा : विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी इसके विरोध में है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे विधेयक को सीनेट में पारित नहीं होने देंगे। मतदान अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों का कहना है कि इस तरह का दस्तावेजीकरण लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर देगा और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि दस मतदाताओं में से एक मतदाता जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज पेश नहीं कर सकेगा। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी जानबूझकर गैर-नागरिकों को मतदान का अधिकार दे रही है और यह अमेरिका की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने की एक साजिश है। वह इसे रोकने के लिए सेव एक्ट को जरूरी बता रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com